आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.14
सूर्यास्त 06.25

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:16 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083
रविवार, 22 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 116, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ इस हफ्ते सोना हुआ 11 हजार रुपये सस्ता, चांदी 28 हजार टूटी
- 12

■ पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन
- 12

■ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बोलीं- मोदी सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाले
- 13

■ केकेआर को बड़ा झटका चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर
- 14

ईरान के परमाणु संयंत्र पर फिर हमला

ईरान ने 4000 किमी दूर हिंद महासागर पर स्थित के अमेरिकी-ब्रिटिश बेस को बनाया निशाना

● इजराइली रक्षा मंत्री बोले- अगले सप्ताह हमलों में होगी वृद्धि, रूस ने नतांज संयंत्र पर हमले की निंदा की

दुबई/काहिरा, एजेंसी

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को शनिवार को एक हवाई हमले में निशाना बनाया गया। वहीं, ईरान ने भी हिंद महासागर में स्थित अमेरिकी-ब्रिटेन संयुक्त हवाई अड्डे पर हमला किया। ईरान द्वारा लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित डिएगो गार्सिया हवाई अड्डे पर किए गए हमले से यह संकेत मिलता है कि तेहरान के पास ऐसी मिसाइलें हैं जो पहले स्वीकार की गई दूरी से कहीं अधिक दूर तक जा सकती हैं। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होगी।

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र पर शनिवार को दूसरी बार हवाई हमले किए गए। ईरान ने कहा कि संयंत्र से कोई रेडियोधर्मी विकिरण नहीं हुआ है। लेकिन उसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को इसकी जानकारी देकर विरोध दर्ज कराया है। उपग्रह चित्रों के अनुसार कई इमारतें क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही थीं। वहीं, ब्रिटेन ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलें दागे जाने की निंदा की है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। इजराइल ने कहा कि शनिवार सुबह भी ईरान उसकी ओर मिसाइलें दागता रहा, जबकि सऊदी अरब ने बताया कि उसने देश के पूर्वी हिस्से में कुछ ही घंटों में 20 ड्रोन मार गिराए। वहीं शनिवार देर रात ईरान ने बगदाद में एयरपोर्ट के पास अमेरिकी ठिकाने पर धमाका किया। अमेरिकी दूतावास पर भी ड्रोन हमले किए। इजराइल के डिमोना शहर पर बैलेस्टिक मिसाइ से हमला किया।

ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र पर हमले की सेटेलाइट तस्वीर।

युद्ध में अब तक 2328 लोगों की गई जान

लड़ाई में अब तक ईरान में 1,300 से अधिक, लेबनान में 1,000 से ज्यादा, इजराइल में 15 और इस क्षेत्र में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। लेबनान और ईरान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। ईरान ने शनिवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी के लिए जनाजा निकाला, जिन्हें एक दिन पहले इजराइली हमले में मार दिया गया था।

न्यूक्लियर क्षेत्र को नहीं बनाया निशाना: इजराइल

इजराइली आर्मी ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमले से इनकार किया है। आईडीएफ ने कहा कि हमने यह हमला नहीं किया है और हमें नहीं पता यह किसने किया। हम अमेरिकी कार्रवाई पर कोई टिप्पणी नहीं करते। वहीं, ईरान की न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, जिस जगह पर हमला हुआ उसका नाम 'अहमदी रोशन' है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले के बाद किसी भी तरह का खतरनाक रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है।

अमेरिका ने पैट्रियट मिसाइलों को प. एशिया भेजा

लंदन। ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में पैट्रियट मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। वहीं, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका पश्चिम एशिया में तीन और हमलावर जहाज और लगभग 2,500 अतिरिक्त मरीन तैनात कर रहा है। दो अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने भी जहाजों की तैनाती की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कहां जा रहे हैं।

22 देशों ने होर्मुज को खोलने की अपील की

दुबई। दुनिया के 22 देशों ने शनिवार को ईरान से हमले रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की अपील की। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया समेत इन देशों ने पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों तथा तेल और गैस सुविधाओं पर ईरान के हमलों की निंदा की है। उन्होंने शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा, ईरान की इन कार्रवाइयों का असर दुनिया के हर हिस्से के लोगों खासकर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा।

अमेरिका ने ईरानी तेल से 30 दिन प्रतिबंध हटाया, ईरान बोला- नहीं है सरप्लस क्रूड

वाशिंगटन, एजेंसी

● विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 30 दिन की छूट दी

अमेरिका ने विश्वस्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस अस्थायी कदम से 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा।

बेसेंट ने कहा, यह अस्थायी, अल्पकालिक अनुमति केवल उस तेल तक सीमित है जो पहले से ही रास्ते में है और इसमें नयी खरीद या उत्पादन की अनुमति नहीं है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस सप्ताह बढ़कर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, आज वित्त विभाग एक सीमित, अल्पकालिक अनुमति जारी कर रहा है, जिसके तहत समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री की इजाजत दी जा रही है। अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि फिलहाल प्रतिबंधित ईरानी तेल को चीन सस्ते दामों पर जमा कर रहा है। इस मौजूदा आपूर्ति को अस्थायी रूप से वैश्विक बाजार के लिए खोलने से लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तुरंत बाजार में आएगा, जिससे ऊर्जा आपूर्ति बढ़ेगी और ईरान के कारण तेल आपूर्ति पर पैदा हुए अस्थायी दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। बेसेंट ने कहा, असल में हम ऑपरेशन एपिक फ्यूरी जारी रखते हुए कीमतों को कम रखने के लिए ईरानी तेल का ही इस्तेमाल तेहरान के खिलाफ कर रहे हैं। तेल टैंकरों में लदे ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में यह ढील शुक्रवार से लागू होगी और 19 अप्रैल तक जारी रहेगी।युद्ध से पहले अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें तीन डॉलर प्रति गैलन थीं, जो शनिवार तक बढ़कर 3.99 डॉलर प्रति गैलन हो गईं। वहीं, अमेरिकी छूट पर ईरान ने कहा है कि उसके पास अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए कोई सरप्लस क्रूड उपलब्ध नहीं है। ईरान के बयान ने पहले से ही अस्थिर तेल बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण व्यापार प्रवाह बाधित है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई जब भारत और अन्य एशियाई देश अस्थायी छूट के तहत ईरानी तेल की खरीद दोबारा शुरू करने पर मंथन करने में जुटे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- उनका प्रशासन प. एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे-धीरे कम करने पर कर रहा विचार

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहा है। हालांकि अमेरिका ने उस क्षेत्र में और युद्धपोत तथा मरीन सैनिक तैनात करने की घोषणा भी की है। ईरान ने भी दुनिया भर के पर्यटन स्थलों पर हमले की धमकी दी है। अमेरिका के ये मिले-जुले संकेत ऐसे समय में आए हैं जब तेल की कीमतों में फिर उछाल से अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें... व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

चैत्र नवरात्र में भीड़ के बीच वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की गई

जम्मू। चैत्र नवरात्र के कारण उमड़ी भीड़ के बीच शनिवार को वैष्णो देवी तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। शनिवार को शाम चार बजे तक 39,000 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। 19 मार्च से शुरू हुए चैत्र नवरात्र के कारण भीड़ बढ़ गई है। नवरात्र पर्व 27 मार्च तक चलेगा और इस दौरान मंदिर बोर्ड को देश भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस वाहनों के जरिए यात्रा स्थगित करने की घोषणा की गई और रविवार को सुबह 4 बजे से नए सिरे से पंजीकरण शुरू होगा।

ईरानी राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित रहने चाहिए

● मसूद पेजेश्कियन को ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं
● क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग सुरक्षित रहें।

ईरान के राष्ट्रपति ने विदेशी हस्तक्षेप के बिना क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए पश्चिम एशियाई देशों को शामिल करते हुए एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। पेजेश्कियन ने भारत से आग्रह किया कि वह 'ब्रिक्स' के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल की शत्रुता को रोकने के लिए अपनी स्वतंत्र भूमिका का लाभ उठाए। 'ब्रिक्स' दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। 'ब्रिक्स' के सदस्य देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने उस अमेरिकी दावे को खारिज कर दिया कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए उसके खिलाफ सैन्य हमला शुरू किया था। राष्ट्रपति के साथ बातचीत में मोदी ने उन्हें ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि त्योहार का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए।

भारत ब्रिक्स का अध्यक्ष, निभा सकता है ईरान के खिलाफ आक्रामकता रोकने में भूमिका

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि क्षेत्र में युद्ध और संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और इजराइल द्वारा आक्रामकता का तत्काल समापन आवश्यक है। ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता का जिक्र करते हुए पेजेश्कियन ने समूह से ईरान के खिलाफ आक्रामकता रोकने और क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता की रक्षा करने में स्वतंत्र भूमिका निभाने का आह्वान किया। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने 12 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी को ईरान की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी थी और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम पर अपना दृष्टिकोण साझा किया था।

मथुरा में गोरक्षक 'फरसा वाले बाबा' की मौत पर बवाल

● आक्रोशित भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किया
● गोतस्करों पर ट्रक से कुचलने का आरोप

मथुरा, एजेंसी

बाबा की मौत के बाद लोगों द्वारा जाम किया गया राष्ट्रीय राजमार्ग।

बाबा चंद्रशेखर (फाइल)

मथुरा जिले में शनिवार तड़के हरियाणा बॉर्डर के समीप 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर गौरक्षक बाबा चंद्रशेखर की राजमार्ग पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से आक्रोशित भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियों पर पथराव भी किया। पुलिस ने इसके बाद दंगाइयों को काबू में करने के लिए पहले हल्का बल प्रयोग किया और फिर आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाबा कोटवन बॉर्डर क्षेत्र में नबीपुर के समीप गोवंश से लदे एक ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे थे कि तभी गौ-तस्करों ने उन्हें कुचल दिया। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक लोगों ने माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे। उन्होंने बताया कि बाबा के समर्थक उनका दाह संस्कार करने के लिए ही शव को आजनौख गांव स्थित उनकी गौशाला लाए थे और अब अगर वे पोस्टमॉर्टम कराना चाहेंगे तो अवश्य कराया जाएगा। मामले में चार-पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश ने कहा कि बाबा शनिवार तड़के हरियाणा सीमा क्षेत्र कोसीकलां पर वाहन में गोवंश होने की सूचना पर शिष्यों के साथ नगालैण्ड नंबर के एक कंटेनर को रोककर जांच कर रहे थे। तभी घने कोहरे में पीछे से राजस्थान नंबर के एक ट्रक ने कंटेनर को टक्कर मार दी, जिससे बाबा की मौत हो गई।

सरकार ने हटाई हवाई किराये पर लगी सीमा

मुंबई। सरकार ने घरेलू हवाई किरायों पर लगाई गई अस्थायी सीमा को 23 मार्च से हटाने का फैसला किया है। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई बाधाओं के मद्देनजर इस सीमा को लगाया गया था। डीजीसीए ने यह फैसला ऐसे समय लिया है जब प. एशिया संघर्ष के कारण विभिन्न एयरलाइन को अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। आदेश में यह भी कहा कि एयरलाइन को मूल्य निर्धारण में अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है।

यूपी : 2584 महिला परिचालकों की होगी भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● महिला अभ्यर्थियों को उनके गृह जनपद वाले डिपो में रखा जाएगा, संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा

अमृत विचार: सीएम के निर्देश पर परिवहन निगम में 2584 महिला अभ्यर्थियों को सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। अभ्यर्थियों के अनुबंध के लिए उनका उप्र राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं उप्र कौशल विकास मिशन का सदस्य होना अथवा एनसीसी बी प्रमाण पत्र, एनएसएस एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि भर्ती के लिए इण्टरमीडिएट की योग्यत के साथ सीसीसी प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। प्राप्ताकों की मेरिट निर्धारित करते हुए सीधे संविदा परिचालक के पद पर रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि एनसीसी बी प्रमाणपत्र, एनएसएस प्रमाणपत्र, भारत स्काउट एवं गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाणपत्र धारक अभ्यर्थियों को इण्टरमीडिएट में प्राप्तांकों पर 5% का वेटेज भी दिया जाएगा। संविदा चालकों-परिचालकों हेतु अनुमन्य पारिश्रमिक दरों के समान दर से ही भुगतान किया जाएगा। अभ्यर्थियों को उनके गृह जनपद के नजदीक डिपो में नियुक्त किया जाएगा। परिचालक पद पर भर्ती के लिए 25, 28 और 30 मार्च, एवं 1 अप्रैल, 2026 को रोजगार मेले का आयोजन भी किया जाएगा।

बरेली में 28 मार्च को रोजगार मेला

● 25 मार्च को सहारनपुर, झांसी, कानपुर, चित्रकूट धाम-बांदा, प्रयागराज ● 28 मार्च को गाजियाबाद, अलीगढ़, बरेली, अयोध्या, वाराणसी, ● 30 मार्च को मेरठ, इटावा, हरदोई, देवीपाटन, आजमगढ़ ● 01 अप्रैल को नोएडा, आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ, गोरखपुर

पंजाब: आप के मंत्री की प्रताड़ना से तंग अफसर ने की आत्महत्या

चंडीगढ़, एजेंसी

● आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगने के बाद मंत्री लालजीत भुल्लर ने दिया इस्तीफा

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री की प्रताड़ता से आकर एक विभागीय अफसर ने आत्महत्या कर ली। अपने ऊपर आरोप लगने के बाद कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सीएम भगवंत मान ने अमृतसर में राज्य भंडारण निगम के अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने के बाद भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। भुल्लर पर अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शुक्रवार को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। सोशल मीडिया पर शनिवार को एक असत्यापित वीडियो सामने आया, जिसमें पट्टी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे रंधावा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्होंने जहर खा लिया है और परिवहन मंत्री पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

रंधावा को वीडियो में यह कहते सुना गया, तुम्हारे दोस्त ने सल्फास खा लिया है, मंत्री लालजीत भुल्लर के डर से। अब मैं नहीं बचूंगा। तरनतारन के पट्टी से विधायक भुल्लर ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है।

सखी | उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय, हर गोशाला में भूसा बैंक व किसानों से चारे का समन्वय पर योगी सरकार का फोकस

गो आश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने फील्ड में उतरें मंत्री-अधिकारी : योगी

● सीसीटीवी निगरानी, डीबीटी भुगतान और टेक्नोलॉजी से पारदर्शी होगी पूरी व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में गो-रक्षा और गो-आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापक रणनीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। गोसेवा आयोग के साथ हुई शनिवार को समीक्षा बैठक में उन्होंने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया और कहा कि गो-सेवा भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण आधार है।

लखनऊ में पशुधन मंत्री व अधिकारियों की बैठक लेते सीएम योगी।

गो-आश्रय व्यवस्था की झलक

- 7,527 गो-आश्रय स्थल, 12 .39 लाख गोवंश संरक्षित
- 7,592 सीसीटीवी कैमरे, 52 जिलों में कंट्रोल रूम
- 61,118 हेक्टेयर गोचर भूमि, 7,364 हेक्टेयर में चारा विकास
- 97 बायोगैस संयंत्र, आय व ऊर्जा का स्रोत
- 1.83 लाख गोवंश लाभार्थियों को सुपुर्द (सहभागिता योजना)

7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख गोवंश

योगी ने स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ द्वारा गो-पेंट, वर्मी कम्पोस्ट, गो-दीप जैसे उत्पादों के निर्माण को आत्मनिर्भरता का सफल मॉडल बताते हुए इनके विस्तार पर जोर दिया। मुजफ्फरनगर का गो-अभयारण्य इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण के रूप में सामने आया है। साथ ही पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए खुरपका-मुंहपका, गलाघोटू और लंपी स्किन डिजीज के खिलाफ व्यापक टीकाकरण अभियान चलाने और पशुपालकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश में वर्तमान में 7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12 .39 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 1.14 लाख लाभार्थियों को 1.83 लाख गोवंश सौंपे गए हैं, जिनके सत्यापन और देखभाल के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक गोशाला में 'भूसा बैंक' स्थापित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि चारे की कमी किसी भी स्थिति में न हो। इसके लिए स्थानीय किसानों से सीधा समन्वय स्थापित किया जाए और गोचर भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गो-आश्रयों को उससे जोड़ने के निर्देश भी दिए। व्यवस्थाओं की निगरानी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी गो-आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश दिए। इसके लिए सीएसआर फंड के उपयोग की संभावनाओं को भी तलाशने को कहा गया। साथ ही डीबीटी प्रणाली के माध्यम से समयबद्ध भुगतान, गोवंश की दैनिक गणना और रिकॉर्ड का डिजिटल संधारण अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने गोसेवा आयोग के पदाधिकारियों को 2-2 के समूह में मंडलवार भ्रमण कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। प्रत्येक दौरे की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,22 मार्च 2026

मुख्यमंत्री योगी बोले- प्रकृति को मां मानकर करें संरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, बोले- जन आंदोलन से मिली सफलता

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को "मां" का दर्जा दिया गया है और उसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण असंतुलन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में वनों का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" का भाव हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय वन दिवस की थीम 'फॉरेस्ट एंड इकोनॉमिक्स' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वन केवल पर्यावरण संतुलन ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं, जिनकी सफलता का आधार जनभागीदारी रही है।

सीएम योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में जहां प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है और इसे 100 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। रामसर साइट्स जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पौधरोपण अभियान की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। पहले जहां वन महोत्सव में 5.5 करोड़ पौधरोपण होता था, वहीं अब एक दिन में 37 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस वर्ष 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने और वन आधारित ग्रीन इकोनॉमी मॉडल को विकसित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रदेश में 2,467 ग्रीन उद्योग स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखकर राज्य ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना के बाद गांगेय डॉल्फिन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। देश में वर्तमान में 6,327 डॉल्फिन हैं, जिनमें से 2,397 अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

9 वर्षों में 242 करोड़ किया गया पौधरोपण

- रामसर साइट्स की संख्या 1 से बढ़कर 11, लक्ष्य 100
- दुधवा नेशनल पार्क में इको-टूरिज्म को बढ़ावा
- 2,467 ग्रीन इकोनॉमी आधारित उद्योग स्थापित
- यूपी में 2,397 गांगेय डॉल्फिन, देश में कुल 6,327
- 4 लाख रूफटॉप सोलर से 1,400 मेगावाट क्षमता विकसित
- 5 वर्षों में 22,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य

न्यूज ब्रीफ

यूपीएसएसएससी ने जारी किए कई भर्तियों के परिणाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने विभिन्न लंबित भर्तियों के परिणाम जारी करते हुए चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। आयोग ने सम्मिलित तकनीकी सेवा (सामान्य चयन) परीक्षा-2016 के तहत अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस भर्ती में नर्स, कंपाउंडर और हॉस्टल वार्डेन के कुल 248 पदों के लिए पूर्व में विभागवार, पदवार व श्रेणीवार विवरण प्रकाशित किया गया था। अब इनमें से 7 पदों के सापेक्ष अंतिम रूप से 7 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

बीमारू से सर्वोत्तम बना यूपी, कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव: शाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार के नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश का कृषि क्षेत्र व्यापक बदलाव का गवाह बना है और प्रदेश 'बीमारू' छवि से निकलकर देश के अग्रणी कृषि राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की नीतियों से किसानों की आय, उत्पादन और सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्री ने बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली।

मत्स्य उत्पादन में 18 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में 'नव निर्माण के 9 वर्ष' के तहत अब मत्स्य क्षेत्र में भी तेज़ी से बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और इससे जुड़े उद्योगों को विकसित करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक मत्स्य उत्पादन को 13 .30 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 18 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाना है।

दुग्ध व्यवसाय से बदली तस्वीर 3.5 लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर

अमृत विचार: प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय के जरिए ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश की करीब 3.5 लाख महिलाएं मिल्क प्रोक्योरमेंट से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं। इस उपलब्धि के साथ दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच गया।

इस बदलाव की मुख्य धुरी उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बना है, जिसने गांव-गांव में महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने का काम किया है। मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) से जुड़ी महिलाएं अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रदेश में दुग्ध मूल्य श्रृंखला (मिल्क वैल्यू चेन) विकसित होने से महिलाओं और किसानों को अब अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिल रहा है। साथ ही भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी और नियमित बनाया गया है, जिससे उनकी आय में स्थिरता आई है और भरोसा बढ़ा है। दुग्ध व्यवसाय ने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह कार्य अब एक संगठित आर्थिक मॉडल का रूप ले चुका है, जिससे न केवल महिलाओं की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। सरकार की योजनाओं के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके चलते अब महिलाएं केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

पॉक्सो के मामलों में घायल की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पॉक्सो अधिनियम के तहत आरोपी को बरी करने वाले निचली अदालत के फैसले पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा कि निचली अदालत ने अपने निर्णय में नाबालिग पीड़िता के शरीर पर पाई गई चोटों का न तो उल्लेख किया और न ही उनकी चर्चा की। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और अजय कुमार (द्वितीय) की खंडपीठ ने कहा कि यह खेदजनक है कि स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद चोट रिपोर्ट को निर्णय का हिस्सा नहीं बनाया गया। कोर्ट ने 1982 और 2002 के उच्च न्यायालयीय परिपत्रों का हवाला देते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए घायल व्यक्ति की चोटों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य है।

कॉर्नियल दान को बढ़ावा देने के लिए यूपी में गठित हुई हाई लेवल टास्क फोर्स

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- अंधत्व रोकने की दिशा में बड़ा कदम, नेत्रदान व प्रत्यारोपण तंत्र होगा मजबूत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने कॉर्नियल दान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रो. राजेश हर्षवर्धन की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स में प्रदेश के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों के विभागाध्यक्ष शामिल हैं। यह निर्णय स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोट्टो) और पीजीआई के संयुक्त तत्वावधान में बीते दिनों संपन्न 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम में चर्चा के बाद लिया है। नेत्रमंथन कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को समाप्त करना और नेत्र चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाना है।

प्रो. राजेश हर्षवर्धन।

गठित टास्क फोर्स राज्य में कॉर्नियल दान की स्थिति, आई बैंकिंग सिस्टम और प्रत्यारोपण की वर्तमान व्यवस्था का व्यापक मूल्यांकन करेगी। साथ ही, दान और प्रत्यारोपण में आने वाली सामाजिक, संस्थागत और तकनीकी बाधाओं की पहचान कर समाधान सुझाएगी। टास्क फोर्स जन-जागरूकता बढ़ाने, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, आई बैंकों की क्षमता बढ़ाने और बेहतर समन्वय के लिए रणनीति तैयार करेगी। साथ ही अन्य राज्यों और देशों के सफल मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा। तत्पश्चात सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुझावों के साथ कार्यान्वयन की रूपरेखा भी शामिल होगी।

अप्रैल से शुरू होंगे 25 नए वन स्टॉप सेंटर

लखनऊ, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अप्रैल से 25 नए वन स्टॉप सेंटर शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में इन केंद्रों की कुल संख्या 96 से बढ़कर 121 हो जाएगी। सरकार की यह पहल मिशन शक्ति अभियान को और गति देने वाली मानी जा रही है। खास बात यह है कि लखनऊ, जौनपुर, सोनभद्र और गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में दो-दो नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे इन जिलों में महिला सुरक्षा तंत्र को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए एकीकृत सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

सीएम ने अच्छेलाल और तनु सिंह की वीरता को किया सलाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर वनकर्मियों, संगठनों व किसानों को भी मिला सम्मान

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर तनू सिंह को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में साहसिक कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। तेंदुए के हमले से खुद और अपने परिवार को बचाने वाले बच्चों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मुख्यमंत्री ने बहराइच के 10 वर्षीय अच्छेलाल और प्रयागराज की 18 वर्षीय तनु सिंह को उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया। अच्छेलाल ने 6 दिसंबर 2025 को गन्ने के खेत से निकले तेंदुए के हमले का डटकर सामना किया और साहस दिखाते हुए खुद को सुरक्षित बचाया। वहीं, तनु सिंह ने 8 जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र में घर में घुसे तेंदुए के दौरान अद्भुत सूझबूझ दिखाई। उन्होंने दो छोटे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और तेंदुए को कमरे में बंद कर दिया, जिससे बिना किसी जनहानि के उसका रेस्क्यू संभव हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे साहसिक कार्य समाज को प्रेरित करते हैं और नई पीढ़ी को हिम्मत व सूझबूझ का संदेश देते हैं। इस अवसर पर वानिकी एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

मुरादाबाद के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह, हमीरपुर के वन रक्षक सुनील कुमार गौंड, रामपुर के वन रक्षक शिवम कुमार और एटा की माली रीना शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा, वानिकी क्षेत्र में योगदान देने वाले सामाजिक संगठनों को भी सम्मान मिला। लोकभारती के बृजेंद्र पाल सिंह और हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान, झांसी के सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट के अंतर्गत कुशीनगर के ईश्वर चंद और रायबरेली की सुनीता को चेक वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व वन विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
अमृत विचार बरेली को
● ग्राफिक्स डिजाइनर ● शेड्यूलिंग एक्जीक्यूटिव
अनुभवः- न्यूनतम 3 से 5 वर्ष
वेतन :- योग्यता अनुसार
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा भेजें:-
scheduling.bly@amritvichar.com 9518031113
हेड ऑफिस : नजदीक सेटेलाइट बस स्टैण्ड, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

चतुर्थ कूष्मांडा

नवरात्र में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है। माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... माँ कूष्मांडा: ऐं ह्री देव्यै नमः

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति ने दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना की

मथुरा, एजेंसी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदेश के अपने तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन शनिवार को मथुरा के गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने गिरिराज जी महाराज की आरती में भाग लिया और गोवर्धन परिक्रमा भी की। उन्होंने मंदिर में गिरिराज जी का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दानघाटी मंदिर के रिसीवर दीप चंद्र कौशिक ने बताया कि गिरिराज धारण की जय सहित अन्य मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति ने 11 किलो दूध, दही, शहद, घी और बूरा से महाभिषेक किया।

बारहवीं मंजिल से गिरकर तीन साल के बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी : ग्रेटर नोएडा पश्चिम में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां गौर सिटी एक की सातवें एवेन्यू सोसाइटी में बारहवीं मंजिल से गिरने के कारण तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल से सूचना मिली कि तीन वर्षीय बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया है।

नवरात्र विशेष: खीरी की बिटिया दिखा रही खेल के मैदानों में दम, साबित किया...कामयाबी मेहनत-लगन से मिलत, चाहे साधन-संसाधन हों कम

छोटी सी दीक्षा का हौसला मिसाल, 10 साल की उम्र में मचा रही जिमनास्टिक में धमाल

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पंखों से कुछ नहीं होता, हौसले से उड़ान होती है...। लखीमपुर खीरी के छोटे से गांव की छोटी सी दीक्षा तिवारी 'दीपा कर्माकर' की राह चल पड़ी है। यह मासूम 5 साल की उम्र में पगडंडियों पर अपनी प्रतिभा दिखाती थी। पापा ने अभावों की अग्निपरीक्षा पास करके भी बिटिया का हौसला बढ़ाया तो लाड़ली ने भी खेल के मैदान में दमखम दिखा दिया है। छोटी सी उम्र में शासन-प्रशासन सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है और मेहनत-लगन से वह गोरखपुर स्पोर्ट्स एकेडमी तक जा पहुंची है।

दीक्षा लखीमपुर खीरी सदर तहसील क्षेत्र के गांव इकबालपुर की रहने वाली है। पिता शिवसरन तिवारी घर में अकेले कमाने वाले हैं और आर्थिक चुनौतियों से लड़ते हुए प्राइवेट नौकरी कर परिवार का गुजारा कर रहे हैं। कुछ साल पहले परिवार उस समय संकट में आ गया था, जब बीमारी के चलते शिवसरन के दिल का ऑपरेशन कराना पड़ा। जिंदगी की उस लड़ाई को पास करने के बाद उन्होंने योग का सहारा लेकर अपने अंदर ऊर्जा भरी और वही जज्बा बेटी दीक्षा के अंदर भी भर दिया। बेटी की प्रतिभा देखकर उसे खेलों में आगे बढ़ाने की ठान ली।

दीक्षा के शरीर में शुरूआत से ही गजब की फुर्ती नजर आती थी। बेटी का लचीलापन देख वे उसे आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स की राह पर लेकर चल पड़े। गांव में न कोच था और दूसरा कोई साधन-संसाधन। यदि कुछ पास था तो वो उनका इरादा। मोबाइल को गुरू मानकर पापा-बेटी ने अभ्यास शुरू किया और दीक्षा ने योग के साथ जिमनास्टिक्स में कमाल दिखाना शुरू कर दिया खेत-खलिहान अभ्यास का गवाह बनते रहे और मेहनत रंग लाती रही।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के हाथों सम्मानित होती दीक्षा। ● अमृत विचार

विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने किया दुलार।

दीक्षा के चर्चे गांव से निकलकर शहर तक पहुंचे तो उसे बड़े आयोजनों का न्यौता मिलने लगा। दीक्षा ने इस बीच गांव के प्राइमरी स्कूल से कक्षा पांच पास कर लिया। एक बार उसे खीरी पुलिस लाइंस में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर प्रतिभा दिखाने का मौका मिला तो जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की नजर उस पर पड़ी। डीएम को छोटी सी जिमनास्ट दीक्षा की के हुनर ने इतना प्रभावित किया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर उसकी मुक्त कंठ से सराहना की। फिर क्या था, दीक्षा का शोर लखनऊ तक जा पहुंचा। वही पल दीक्षा की जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट बन गया। यहां से दीक्षा के सपनों को नई दिशा मिली। मुख्यमंत्री के पूर्व सलाहकर और देवरिया सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी की पहल पर उसे गोरखपुर के वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला भी मिल गया। दीक्षा अब स्पोर्ट्स कॉलेज में जिमनास्टिक का प्रशिक्षण भी ले रही है और साथ में कक्षा छह की पढ़ाई भी कर रही है। इस पूरी कहानी का सबसे अहम पहलू पिता और बेटी का रिश्ता, जिसमें शिवसरन तिवारी उसके पहले गुरू है।

आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स कर रही दीक्षा

'अमृत विचार' से बातचीत में शिवसरन तिवारी ने कहा कि उनकी बेटी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स में कदम आगे बढ़ा रही है। इसमें खिलाड़ी शक्ति, संतुलन, लचीलापन और कलात्मकता का प्रदर्शन करते हैं। उनकी आंखों में सिर्फ यही सपना बसा है कि दीक्षा ओलंपिक भारत का तिरंगा फहराए और अंतर्राष्ट्रीय मंचों का देश का नाम बढ़ाए। मासूमियत के साथ दीक्षा भी कहती है कि मेहनत से पीछे नहीं हटूंगी। गांव, जिला और प्रदेश का नाम दुनिया में ऊंचा करूंगी। दीक्षा देश की मशहूर आर्टिस्टिक जिमनास्ट दीपा कर्माकरण को अपना आइडियल मानती है, जो जिन्होंने अपने साहसिक प्रदर्शनों से इस विधा में विश्व स्तर पर पहचान पाई। वह 2016 रियो ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनीं थीं। दीपा 2014 राष्ट्रमंडल खेलों में भी कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट रहीं हैं।।

सपा प्रदेश सचिव सुरेंद्र सागर के पेट्रोल पंप का लाइसेंस निरस्त

रामपुर, अमृत विचार: हाल में ही सपा के प्रदेश सचिव बनाए पूर्व मंत्री सुरेंद्र सागर के दो पेट्रोल पंपों पर अनियमितता मिलने पर जिला पूर्ति विभाग ने एक का लाइसेंस निरस्त कर दिया है, जबकि दूसरे के निरस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि दोनों पंप सुरेंद्र सागर के नाम पर नहीं हैं, परिजनों के नाम से है। एमएस सागर फ्यूल केएसके व एमएस सागर फिलिंग स्टेशन पर कार्रवाई हुई है।

जिले में उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं निर्धारित मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 20 से 21 मार्च जिला पूर्ति अधिकारी पूरन सिंह द्वारा विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में एमएस सागर फिलिंग स्टेशन, विक्रमपुर तहसील मिलक, मैसर्स सागर फ्यूल केएसके ग्राम बमरौआ तथा एमएस सागर फ्यूल, ग्राम रूपपुर, तहसील शाहाबाद का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पेट्रोल पंपों पर कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। परिसरों में आवश्यक अधिकारियों के संपर्क नंबर एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं किया गया था। जबकि अग्नि सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाएं भी मानकों के अनुरूप उपलब्ध नहीं थीं।

पिच पर बिगड़ी हालत, अंपायर की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: थाना रोजा क्षेत्र के आदर्शनगर कॉलोनी निवासी यूपी क्रिकेट एसोसिएशन के अंपायर सोनल चंद्रा की क्रिकेट खेलते समय मौत हो गई। शनिवार दोपहर करीब दो बजे वह दोस्तों के साथ ओसीएफ ग्राउंड पर क्रिकेट खेलने गए थे और बैटिंग के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें घबराहट और उलझन होने लगी, जिसके बाद वह पिच से हटकर गिर पड़े।

साथियों ने उन्हें ग्राउंड की सीढ़ियों पर लिटाया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर पहले ओसीएफ अस्पताल और फिर निजी अस्पताल ले जाया गया। परिजन उन्हें बरेली ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। सोनल तीन साल पहले यूपी क्रिकेट एसोसिएशन के पैनल में अंपायर बने थे और वह अपना ड्रोन वीडियो भी बनवाते थे। बताया गया कि घटना से पहले भी उनका वीडियो बन रहा था। उनकी मां सुनीता चंद्रा शिक्षिका रह चुकी हैं और पिता महेश चंद्रा सीमा सुरक्षा बल में तैनात थे, जो 30 साल पहले शहीद हो गए थे। वह परिवार के इकलौते पुत्र थे। थाना प्रभारी राजीव रंजन ने बताया कि मामले की कोई सूचना नहीं मिली है, शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सोनल चंद्रा।

बरेली की नसरीन बी बनीं मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की योजनाओं के प्रभाव से बरेली की नसरीन बी ने न सिर्फ अपनी जिंदगी बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार का रास्ता खोल दिया। बरेली जिले के फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के घंघोरा-घंघोरी गांव की रहने वाली नसरीन बी ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने सफर की शुरुआत की।

"जनता" स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उन्होंने बेकरी व्यवसाय शुरू किया, जो आज उनकी सफलता की पहचान बन चुका है। उन्होंने अपने साथ 10 महिलाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार दिया। नसरीन को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत आर्थिक सहायता मिली। वर्ष 2022 में समूह को 15 हजार रुपये की प्रारंभिक सहायता और बाद में एक लाख रुपये की वित्तीय मदद दी गई, जिससे उनके व्यवसाय को मजबूत आधार मिला।

दो पहिया वाहनों के पहाड़ जाने पर आज रोक

हल्द्वानी, अमृत विचार : वीकेंड पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने 22 मार्च को पहाड़ की ओर जाने वाले दो पहिया वाहन चालकों पर पाबंदी लगा दी है। यह व्यवस्था सुबह 9 से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी। इसके अलावा सुबह 7 बजे से रात 10 बजे के दरम्यान भारी वाहनों के आवागमन पर भी पूरी तरह पाबंदी रहेगी। पुलिस के मुताबिक, 22 मार्च को अन्य जनपदों और राज्यों से आकर पर्वतीय क्षेत्र नैनीताल, भीमताल, भवाली, अल्मोड़ा, मुक्तेश्वर को जाने वाले समस्त दुपहिया वाहनों को वीकेंड में चेकिंग पॉइंट टांडा बैरियर, कालाढूंगी में नैनीताल तिराहा, नरीमन तिराहा और भीमताल तिराहा में रोक कर वापस किया जाएगा।

युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव

मुख्य संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में व्याप्त तनावपूर्ण हालातों पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि हमले और युद्ध सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय हैं। बातचीत और कूटनीति से ही इस वैश्विक समस्या का समाधान निकाला जाना चाहिए।

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर शनिवार को हल्द्वानी के एमबी इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित ''चार साल बेमिसाल'' विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है लेकिन इस समस्या का समाधान युद्ध से नहीं बल्कि डायलॉग और डिप्लोमेसी यानी बातचीत और कूटनीति के जरिए ही निकलेगा। रक्षा

राजनाथ सिंह को नंदा देवी मंदिर की प्रतिकृति भेंट करते धामी।

मंत्री ने आगे कहा कि ऐसे हालातों में जहां तक भारत का प्रश्न है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस करिश्माई तरीके से देश का मस्तक दुनिया में ऊंचा किया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। पहले अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत कुछ बोलता था तो जितना लिया जाना चाहिए था, उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता था लेकिन आज भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बोलता है तो पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है।

उन्नाव के पर्यटकों की कार खाई में गिरी, दो की मौत

नैनीताल,अमृत विचार: समीपवर्ती गेठिया क्षेत्र में शनिवार को सड़क हादसे में उन्नाव से घूमने आए चार पर्यटकों की कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद के पीताम्बर नगर निवासी अंकित चौधरी अपने दोस्तों अभिराज, अतुल दुबे और श्याम के साथ वाहन संख्या यूपी 78 एसजे 4936 से जागेश्वर धाम घूमने जा रहे थे। शनिवार सुबह हल्द्वानी से आगे बढ़ते हुए जैसे ही उनकी कार गेठिया क्षेत्र में पहुंची, अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के दौरान वाहन गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

धतूरे की पत्तियों से रुकेगी ट्यूमर की ग्रोथ

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: आयुर्वेद में कहा गया है कि नास्ति मूलं अनौषधं अथार्त कोई वनस्पति नहीं जिसकी औषधि न बनती हो। भगवान शिव को प्रिय धतूरा का पौधा भी ऐसे ही चमत्कारिक गुणों से भरा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान की छात्रा डॉ. प्रियंका अग्रवाल के शोध में इस पौधों को लेकर चौंकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। शोध के अनुसार धतूरे की पत्तियों से बनाए गए एसेंशियल ऑयल में कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की अदभुत क्षमता है। धतूरे की पत्तियों में फाइटोल नामक कंपाउंड पाया जाता है जो एंटी ऑक्सीडेंट होने के साथ ही एंटी कैंसर गुणों से भरपूर होता है जो ट्यूमर की ग्रोथ रोकने में सक्षम है।

डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध के लिए पीएचडी अवार्ड हुई है। वह बताती है कि क्लीवेंजर्स उपकरण की मदद से उन्होंने धतूरे की पत्तियों के तेल में 36 प्रतिशत 'फाइटोल' कंपाउंड पाया। फाइटोल प्राकृतिक रूप ट्यूमर की ग्रोथ रोकने में सक्षम

● लविवि छात्रा के शोध में दिखी बचाव की उम्मीद

है। वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण फेफड़े के कैंसर का पता अक्सर एडवांस स्टेज पर चलता है, जिससे इसके उपचार में दिक्कतें आती हैं। धतूरे पर आधारित यह हर्बल उपचार एक सस्ता और और बिना साइड इफेक्ट वाला सुरक्षित विकल्प साबित हो सकता है।

पूणे से मंगाई गई कैंसर कोशिका : क्लीवेंजर्स उपकरण की मदद से धतूरे की पत्तियों में 0.01 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल पाया गया। इस तेल में 36 प्रतिशत 'फाइटोल' कंपाउंड पाया गया। शोध के दौरान 'ए-549' कैंसर सेल लाइन को पुणे के नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज से मंगाया गया। जिसपर धतूरे के तेल का परीक्षण किया गया तो परिणाम बेहद सकारात्मक मिले।

प्रतिवर्ष फेफड़े के कैंसर से 10 लाख मौत: भारत में हर साल फेफड़े के कैंसर के 12 से 18 लाख मामले आते हैं। जबकि उनमें से 25 से 35 प्रतिशत लोग का जीवन ही बच पाता है। देश में प्रतिवर्ष 10 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

हमारे शोध में यह बात सामने आई कि डोज का सही होना जरूरी है। अधिक मात्रा में उपयोग नुकसानदायक होगा। धतूरे का उपयोग बिना विशेषज्ञ की सलाह के खतरनाक हो सकता है। यदि निर्धारित मात्रा (डोज) से अधिक तेल दिया जाए, तो शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है।

-डॉ. प्रियंका अग्रवाल लखनऊ विश्वविद्यालय

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

बरेली का एकमात्र PET CT

पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डे केयर थेरेपी

इम्यूनोथेरेपी

कैंसर आईसीयू

फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

मैमोग्राफी

कैंसर के रोकथाम की ओपीडी

इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त

Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050

www.rohilkhandcancerinstitute.com

रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर,
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने,
के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

करंट युक्त तारबाड़ से युवक की मौत, कोहराम

शौच के लिए खेत गए थे पति-पत्नी, नहीं बच सकी जान

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दलीपुर में शनिवार भोर एक दर्दनाक हादसे में 30 वर्षीय युवक रिंकू पुत्र राजाराम की करंट लगने से मौत हो गई। रिंकू अपनी पत्नी शीला के साथ घर में शौचालय न होने के कारण खेत में शौच के लिए गए थे। इसी दौरान गांव निवासी चंद्रपाल द्वारा गेहूं की फसल को आवारा पशुओं से बचाने के लिए लगाए गए प्रतिबंधित तार में करंट दौड़ रहा था, जिसकी चपेट में रिंकू आ गए।

मृतक रिंकू

करंट लगते ही रिंकू तारों पर ही गिर पड़े। पत्नी शीला के शोर मचाने पर गांव के ओमेंद्र, वीरभद्र और रामवीर समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों की मदद से बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पत्नी शीला ने बताया कि परिवार बेहद गरीब है। सास-ससुर की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि देवर हरियाणा में मजदूरी करता है। रिंकू अपनी पत्नी और तीन बेटियों राधिका (5), अंशिका (3) और नंदिनी (डेढ़ वर्ष) के साथ मजदूरी कर किसी तरह जीवन यापन कर रहे थे।परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला। न तो जॉब कार्ड बना है, न शौचालय और न ही आवास की सुविधा मिली है। वहीं खंड विकास अधिकारी हर्षेन्द्र कुमार सिंह ने गांव के ओडीएफ होने का दावा करते हुए मामले की जांच की बात कही है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

रिकूं की मौत के बाद बिलखती पत्नी व बच्चे। ● अमृत विचार

- खेत में फसल बचाने को लगाया था प्रतिबंधित इंतजाम
- परिवार को किसी सरकारी योजना का नहीं मिला लाभ
- गांव ओडीएफ लेकिन पीड़ित के परिवार में शौचालय नहीं

दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से एक की मौत

संवाददाता,राजपुर कला

अमृत विचार: अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव खैलम देह जागीर निवासी 20 वर्षीय गुलफाम मंसूरी की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपने दोस्त नूर हसन अंसारी के साथ बुलेट मोटरसाइकिल से घरेलू सामान लेकर अलीगंज से घर लौट रहा था। कस्बे के पास भारत पेट्रोल पंप के सामने सामने से आ रहे गांव के ही भूपेंद्र सिंह (50) की बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल गुलफाम को इलाज के लिए बरेली ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल नूर हसन को बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि भूपेंद्र को मझगवां स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

घटना से परिवार में मातम छा गया। ईद उल फितर की तैयारियों के बीच आई इस दुखद खबर से खुशियां गम में बदल गईं। मृतक की दो साल पहले शादी हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है। वह छह भाइयों में पांचवें नंबर का था और कारपेंटर का काम कर परिवार का पालन-पोषण करता था।

- ईद की खुशियां मातम में बदलीं घर में मचा कोहराम
- हादसे में तीन लोग हुए घायल निजी अस्पताल में कराया भर्ती

दो हादसों में चार लोग हुए घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शनिवार को हाइवे के राधा कृष्ण मंदिर चौराहे पर दो अलग अलग समय हादसों में चार लोग घायल हो गये ।जिनमें से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है ।पुलिस ने एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भेज दिया है।

थाना सिरौली के गांव धनीपुर निवासी सूरज कुमार और धर्मजीत बाइक से घर लौट रहे थे। हाइवे के राधा कृष्ण मंदिर कट पर आगे चल रही कार जैसे ही कस्बा की ओर मुड़ी पीछे से आ रहे दोनो की बाइक कार में साइड से घुस गईं। हादसे में दोनो गंभीर घायल हो गए। राहगीरों ने कार चालक सचिन कौशिक को कार समेत पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने दोनो घायल बाइक सवारों को एंबुलेंस से अस्पताल भेज दिया। घायलों में सूरज की हालत नाजुक बताई जा रही है।

गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन कराया

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार :केंद्रीय राज्य मंत्री के प्रतिनिधि रवि मल्होत्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने 9 साल के कार्यकाल में विकास के वह आयाम तय कर ले,जो पिछले 50 साल में नहीं हुए थे। सरकार की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेकर प्रदेश के लोग काफी खुश हैं।

बहेड़ी ब्लॉक कार्यालय में आयोजित नवारम्भ कार्यक्रम में बोलते हुए श्री मल्होत्रा ने कहा कि प्रदेश में भय का वातावरण समाप्त हो गया है,और जनता बेखौफ़ होकर अपना जीवन यापन कर रही है ।

ब्लॉक् प्रमुख अमरिंदर सिंह गोल्डी ने सरकार की योजनाओं को आखिरी पंक्ति में खडे आदमी तक पहुँचाने की अपील की। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले आहार और कुपोषण से बच्चों को बचाने के उपायों की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी से जुड़े लोगों ने महिलाओं की गोद भराई के साथ बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया।

संतोष ने किया पार्क का लोकार्पण

नवाबगंज, अमृत विचार: कस्बे के लोगों को शनिवार को एक नई सौगात मिली, जब स्वर्गीय चेतराम गंगवार के नाम पर बने पार्क का लोकार्पण कर इसे जनता के लिए खोल दिया गया। कार्यक्रम में पहुंचे झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने फीता काटकर पार्क का लोकार्पण और प्रतिमा का अनावरण किया।

नगरपालिका परिषद की ओर से तीस लाख रुपये की लागत से तैयार कराया गया यह पार्क अब जनता के लिए सैर-सपाटे और विश्राम का नया केंद्र बनेगा। संतोष गंगवार ने स्वर्गीय चेतराम गंगवार को याद करते हुए कहा कि उन्होंने विधायक और मंत्री रहते हुए नवाबगंज के विकास में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यों का असर आज भी क्षेत्र में साफ देखा जा सकता है।

चेतराम पार्क का उद्घाटन करते झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का असली सम्मान उसके काम से होता है और चेतराम गंगवार ने अपने कार्यों से जनता के दिलों में जगह बनाई। यह पार्क उनकी यादों को हमेशा जीवित रखेगा। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर, नीरेंद्र सिंह राठौर, डॉ. एम.पी. आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा समेत गणमान्य और स्थानीय लोगों की भी भीड़ मौजूद रही।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

मुख्यमंत्री से करेंगे मंदिर की दुकानों पर कब्जे की शिकायत

फतेहगंज पश्चिमी, मंदिर की दुकानों पर अवैध रूप से कब्जा करने की शिकायत पर दो महीने के बावजूद शासन को रिपोर्ट नहीं भेजने और खुद भी कार्यवाही नहीं करने से आहत मंदिर कमेटी के लोग मुख्यमंत्री से मिलकर कार्यवाही की मांग करेंगे। नगर के सनातन धर्म वैश्य सभा ठाकुर द्वारा मंदिर सोसाइटी अध्यक्ष नीरज गोयल और महामंत्री राजकपूर गुप्ता ने पूरी कमेटी की सहमति से कस्बा के मुख्य बाजार में मौजूद मंदिर की जर्जर दुकानों पर किरायेदार के नाम पर कब्जा और किराया नहीं देने की शिकायत 12 जनवरी को मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद से करके ध्वस्तीकरण की मांग की थी जिस पर उप सचिव सत्येंद्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी बरेली को पत्र जारी करके कार्यवाही के निर्देश दिए थे ।लेकिन जांच के बाद न तो तहसील से रिपोर्ट भेजी और न खुद कोई कार्यवाही की है। कमेटी अध्यक्ष नीरज गोयल ने बताया दो दिन के बाद मंदिर कमेटी के लोग मुख्यमंत्री से कार्यवाही की मांग करेंगे।

हादसा टला

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : शनिवार सुबह टिसुआ के खंजनपुर गांव के पास माल से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। ट्रक बिहार से कबाड़ लादकर बरेली की ओर जा रहा था। चालक को झपकी आने से ट्रक खाई में जा पलटा।

बच्चों को छीनकर विवाहिता को घर से निकाला

भमोरा, : क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुड्डा निवासी महिला मधु ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है कि पांच साल पहले बदायूं निवासी गोवर्धन के साथ हुई शादी में भरपूर दान दहेज देने के बाद ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे। पीड़िता के अनुसार शुक्रवार को पति योगेंद्र, सास अनारकली व ससुर रामौतार ने दहेज में सामान की मांग करते हुए मारपीट कर घर से निकाल दिया। उसके दोनों बच्चों को भी जबरन रख लिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
प्रधानाचार्य, अध्यापक, अध्यापिकाओं, चपरासी, गार्ड, माली, सफाई कर्मचारी की
B.K.S. मैमोरियल इंग्लिश स्कूल
रजपुरी ढकनी फरीदपुर (बरेली)
सम्पर्क करें : 9412196717

आवश्यकता है
लोहे के सामान एंगिल, पाइप, पत्ती, चादर की बिक्री हेतु अनुभवी अथवा फ्रेशर मुनीम की सैलरी दस से बीस हजार
सम्पर्क करें प्रातः 9 से सायं 7
श्री वर्धमान स्टील
निकट आदर्श धर्मकांटा, प्रेमनगर, बरेली

NEW ENGLAND DEACONESS SCHOOL
REQUIRES
TGTs/PRT/Kindergarten Teachers
Trained, energetic convent educated and must be competent to teach in English
Salary no bar for deserving candidates
Transport facility available from Bareilly
Walk-in-interview on 29 March 2026
Mail your resume : nedsglobal@gmail.com
Contact/Whatsapp 9760938155

आवश्यकता है
टाइपिस्ट एवं रिसेप्शनिस्ट की
बरेली स्थित डायग्नोस्टिक सेन्टर के लिये
सम्पर्क करें एवं बायोडाटा इस ई-मेल पर भेजें
gsidhr18@gmail.com

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2011 जिसका अनुक्रमांक 0906506 एवं इण्टरमीडिएट की मार्कशीट वर्ष 2013 जिसका अनुक्रमांक 0713033 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **नीतू गंगवार पुत्री श्री नेमचन्द्र पता:- वार्ड नं. 10 मुड़िया जागीर नगर पंचायत देवरनियां, बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2017 अनुक्रमांक 0948862 व सर्टिफिकेट नं. 29015822 व इण्टरमीडिएट वर्ष 2019 अनुक्रमांक 0731090 व सर्टिफिकेट नं. 29001709 वास्तव में खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **सुनील कुमार गौतम पुत्र श्री राम स्वरूप नि. ग्राम बुधौली तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

मैंने अपना नाम SATNAAM SINGH सतनाम सिंह पुत्र TARA SINGH तारा सिंह की जगह SATNAM SINGH सतनाम सिंह पुत्र TARA SINGH तारा सिंह रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **SATNAM SINGH सतनाम सिंह पुत्र TARA SINGH तारा सिंह निवासी- PUJARIPURWA JUDA POST BALHA, TEH. NANPARA, DIST. BAHRAICH.**

सूचना

मैंने अपना नाम लाजवंत कौर LAJAVANT KOR पत्नी सतनाम सिंह SATNAAM SINGH की जगह LAJVANT KAUR लाजवंत कौर पत्नी SATNAM SINGH सतनाम सिंह रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **LAJVANT KAUR लाजवंत कौर पत्नी SATNAM SINGH सतनाम सिंह निवासी- PUJARIPURWA JUDA POST BALHA, TEH. NANPARA, DIST. BAHRAICH.**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 22 मार्च 2026 www.amritvichar.com

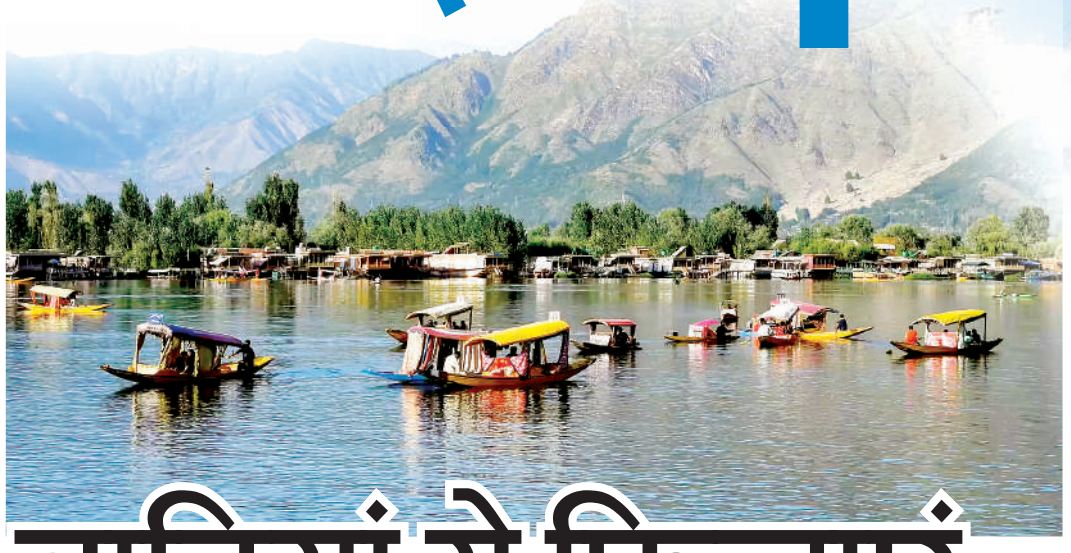

वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

"गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।" अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि "पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।" यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिद्दर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को वहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।

अनिल त्रिगुणायत
वरिष्ठ पत्रकार

पेश है विशेष रिपोर्ट...

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चश्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सर्पीली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा चला आता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकदक पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अख्तियार करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़ाहट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक टयूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिद्दर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिद्दर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशी के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मार्सर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूबे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। 'चरवाहों की घाटी' (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

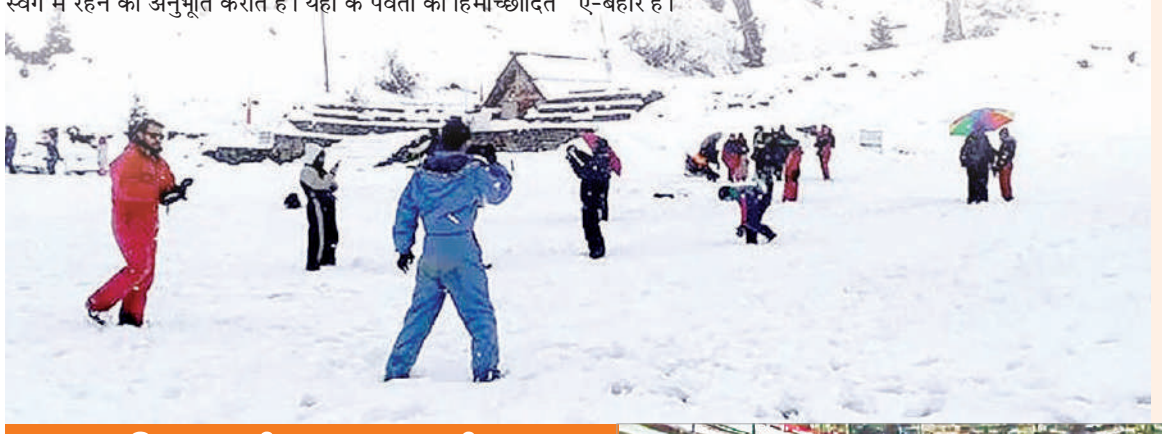

पर्यटकों का जमावड़ा

पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगीन झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठे पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-संकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारामूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। 'कश्मीर का आनंद' कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पंपोर क्षेत्र में होती है। पंपोर को 'केसर शहर' भी कहा जाता है। इसके अलावा किश्तवाड़ और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। 'सेब नगरी' के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को 'कश्मीर का चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

ट्यूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक ट्यूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले ट्यूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।

गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी

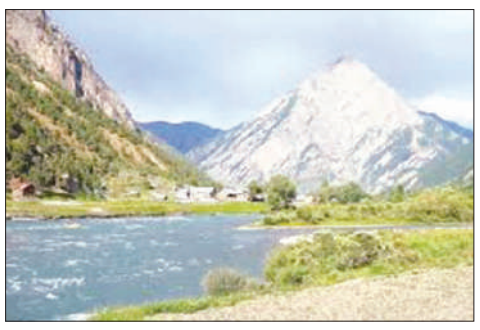

श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशनगंगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलतः कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात शहतूत, एरी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन कराने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित हैं।

कश्मीर: पश्मीना शाल के क्या कहने..

श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकरघा सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनतीं महिलाएं।

पश्मीना शॉल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शॉल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शॉल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शॉल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला ट्वीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडित लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्कत कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लद्दाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचौक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अवंतीपोरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छबल :** श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मट्टन :** पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षत करते हैं।
- **गुलमर्ग :** बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकीं यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग :** यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें जब पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद :** इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल-अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल :** यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील :** श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को 'कश्मीर का ताज' व 'श्रीनगर का गहना' भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर :** श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह :** यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।

वसंत ऋतु में वजन घटाना
आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

आहार की भूमिका

वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

शहद और हर्बल पेयों का महत्व

वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।

योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय

योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर का व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी कम करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।

दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व

वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

पंचकर्म की भूमिका: गहराई से शरीर की सफाई

वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्वर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्वर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय

वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर की गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है।

यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी

इंदु सिंह
लेखिका

वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जानकारी प्राप्त करना हो, किसी विषय पर राय लेनी हो या फिर व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान ढूंढना हो- लोग अब पहले की अपेक्षा अधिक एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति को एक ऐसा 'सलाहकार' मिल गया है, जो हर समय उपलब्ध है और हर प्रश्न का उत्तर देने को तैयार रहता है।

एआई के लाभ और उपयोगिता

निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।

युवाओं के लिए नया साथी

विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझनें होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकाटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है

अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

उदाहरण और बढ़ती समस्या

हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार

यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञान: वरदान या अभिशाप

विज्ञान को सदैव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता

इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। याद रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

वृष
इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजनों से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिल पाने आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

मिथुन
इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क
इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हों अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह
यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

कन्या
इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

तुला
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर जूझ रहे थे, तो उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।

वृश्चिक
इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शार्टकट लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।

धनु
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।

मकर
इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात बन और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर ग्रसित रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ
यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

मीन
इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटाएं तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51

			29	12		
		16				
	16	12			15	
17			4			
28						6
	4			4		
		20		4		
			6			

काकुरो 50 का हल

	6	28				29	16
3	1	2			17	8	9
4	3	1		7	7 13	6	7
7	2	5	7 15	1	4	2	
	16	4	6	2	3	1	7
	16 17	3	9	4	6	4	2
14	8	6			4	3	1
16	9	7			9	5	4

कहानी

जहन्नुम की आग

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवंत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवंत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक और खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

उस घटना के बाद से किले के आसपास का इलाका लगभग वीरान हो गया। सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखी है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉर्च, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारें अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी।

संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जांच के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशप्त मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा।

एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूं बेटा
तुम अपने अधिकारों के साथ
अपने वृहत आकाश में
उड़ना चाहते हो
मुझे खुशी होती है
जब मैं तुम्हारे लिए
तुम्हारी पसंद की चीजें
लाकर रखता हूं
तुम्हारे सामने
और प्रतीक्षा करता हूं
तुम्हारी प्रतिक्रिया की
देखता हूं तुम्हारी आंखों में
संतोष की एक चमकती रेखा
किंतु बेटे
तुम्हारा यह संतोष पोंछ
नहीं पाता
मेरे आंसुओं को
जब मैं देखता हूं
तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड
जिनके हाथों में रोटियां नहीं हैं
शरीर पर कपड़े नहीं हैं
मेरे बेटे
एक जीवन के लिए
किस कदर वो चीख रहे हैं
तुम सुन पा रहे हो न
उन लोगों की चीखें
बस मुझे इतनी आजादी दो
कि मैं तुम्हारे आकाश में से
एक छोटा टुकड़ा
उन सब में बांट सकूं
ताकि उन सबका विश्वास
कभी न मर सके

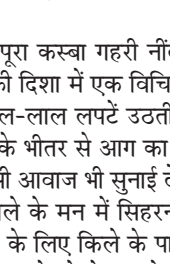

श्याम सुंदर चौधरी
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं,
चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है,
शस्य श्यामला फसल हुई है।
कली हंसी, भंवरे मुस्काएं,
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ग्रह,नक्षत्र,तिथि, वार मुदित हैं,
सूर्य गगन पर पूर्ण उदित हैं।
प्रमुदित दिखतीं दसों दिशाएं।
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ठंड गर्म सब दूर हो गई,
धरा अन्न फूलों से लद गई।
बहें वसंती मस्त हवाएं,
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

झूम रहीं पेड़ों पर कलियां,
होरियारों से भरी हैं गलियां।
आम जनों की बात करें क्या,
आम्र मंजरी भी बौराएं।।

चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

है आमंत्रण अटल घाट पर,
छेड़ रहे जन मंजु मृदुल स्वर,
आओ पंडित कृष्ण बुलाएं।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो संस्कार हैं,
बेटियां तो कुलवंती हैं,
बेटियां तो सम्मान हैं।
फिर बेटियों से भेदभाव
क्यों?

बेटियां तो बेटा से ऊपर हैं,
बेटियां तो बेटा के बराबर हैं।
फिर बेटियों का गर्भपात
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो लक्ष्मी हैं,
बेटियां तो दुर्गा हैं,
बेटियां तो अभिमान हैं।
फिर बेटियों का बलात्कार
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो राजकुमारी हैं,
बेटियां तो राजदुलारी हैं।
फिर बेटियों का तिरस्कार
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

ऋषि और कीड़े

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज़ चलता रहा। कीड़ा काटता रहा,ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा,यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूं कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

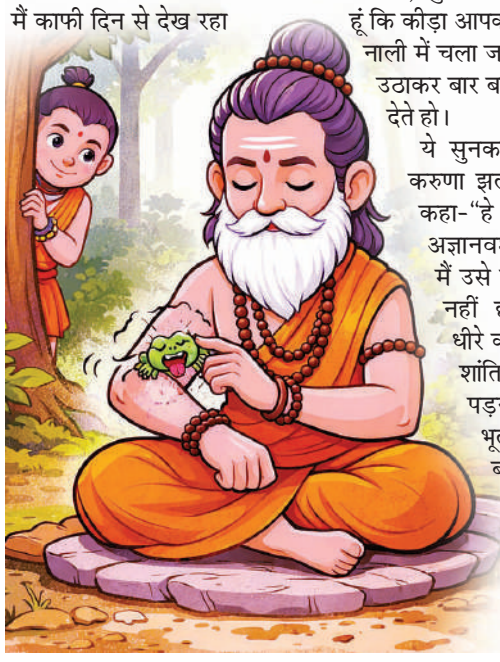

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा-"हे शिष्य मैं जानता हूं वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया-अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि- हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।

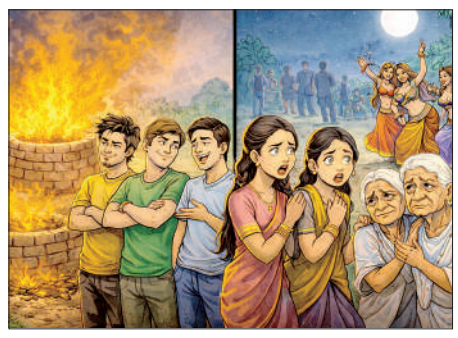

आंखों देखा

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली-"नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे-'लगने दो! हमें क्या?" दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां-"नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" ठेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आई और बोलने लगी-"फूंस ही तो जलेगा?..जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा-"नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां-"कहां गई कहां गई?" वधुएं बोली-"फूंस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अभी तक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा-"जाने दो! जहां गए हमें क्या?"

आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूं। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल , जामुन , कनेर, आम, साल, कटहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूं।

महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने- ककुभः शीतलो हृद्य : क्षत क्षय विषास्रजित् ,मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव -कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखना है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कमोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहो, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूं, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिसाब से अपने विषय पर बोलता हूं। कभी बोलता हूं, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलोगे, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूं कि मैं ही विषय पर बोलता हूं, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूं। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जूडो कराटे के दाव समझाता हूं, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहेगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूं। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमाफिक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूं, बोलता हूं। क्लास के विषय पर बोलना चाहिए। मेरी मर्जी, मैं किसी भी विषय पर बोलूं। जो विषय मेरी समझ में आएगा, उसी पर तो बोलूंगा। कोई बात नहीं, पर इसमें अविश्वास की बात कहां से आ गई?

मुझे ऐसा मास्टर नहीं चाहिए, जो मुझे बोलने से रोके, मेरे मुंह पर टेप चिपकाने की कोशिश करें। आखिर मैं स्वतंत्र देश का स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे अपने मन की बात करने का पूरा अधिकार है। यह तो बताओ, कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से हासिल क्या होगा? अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, हेडमास्टर को हटाएंगे। क्या तुम्हें विश्वास है, कि तुम हेडमास्टर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को पास करा पाओगे? अपने साथियों का इतना समर्थन जुटा पाओगे कि हेडमास्टर को हटाया जा सके। मुझे पास फेल से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बार-बार फेल होता हूं, फिर भी हिम्मत नहीं हारता। तुम हिम्मत नहीं हारते, मगर तुम्हारा साथ निभाने वालों की तो बेइज्जती होती है। होती रहे, मुझे क्या, मुझे तो अविश्वास प्रस्ताव लाना है, हेडमास्टर को सबक सिखाना है। यदि अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया, तब किस मुंह से हेडमास्टर के सम्मुख जाओगे? इसी मुंह से जिससे हर बार जाता हूं।

अपनी नहीं तो अपने साथियों की इज्जत का तो ध्यान रखो। इज्जत-बेइज्जत से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लगता है कि तुम नहीं सुधरोगे। यह सुधरना किस चिड़िया का नाम है? तुम्हारे लिए किसी चिड़िया का नहीं। जाओ विदेश घूम आओ, मौज मस्ती सैर सपाटा कर आओ, बाकी हम हैं न, तुम्हारी हर सनक का बचाव करने ले लिए।

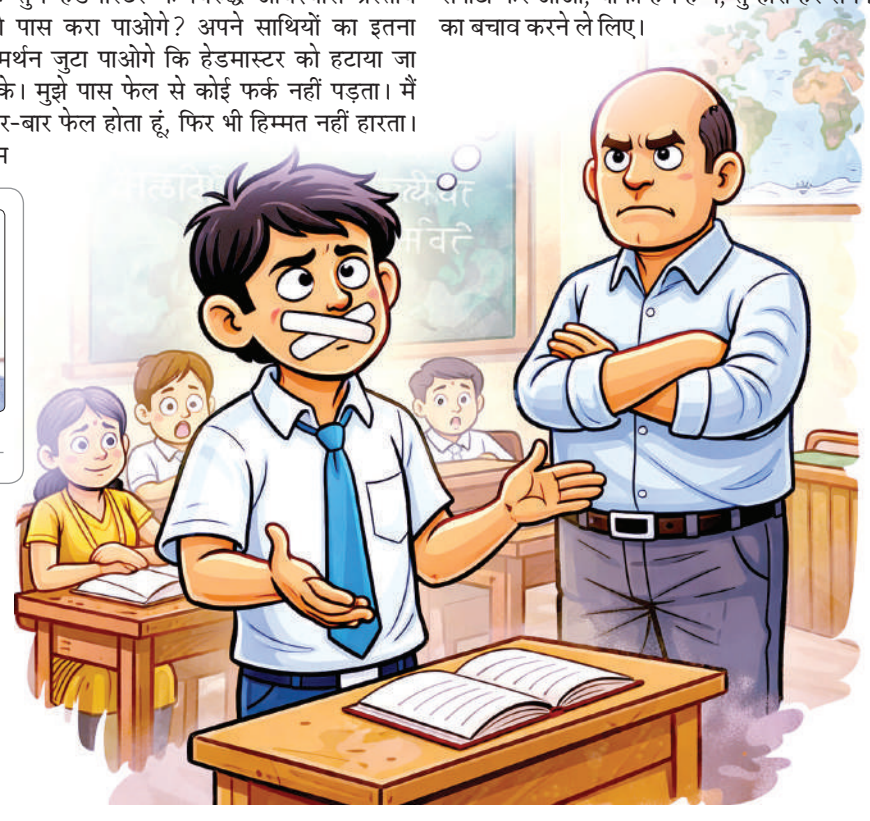

समीक्षा

अर्तमः शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवयित्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरूआत है। अर्तम अर्थात माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागरण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदम्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद्व पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्छल मन की गति को देखों, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी है।

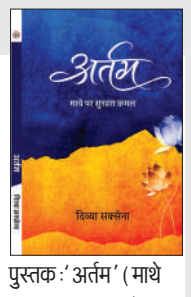

पुस्तक :'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक : दिव्या सक्सेना
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य : 250
समीक्षक : – हरि शंकर शर्मा, जयपुर

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स
स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक

फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं।

फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट

अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अजरक डिजाइन या हैंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या छोटे स्टड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

कॉटन साड़ी

जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक क्लासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो

स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैंट का ढीला और फ्लोई डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या फ्लैट सैंडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैंट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक हील्स, कोल्हापुरी सैंडल या सिंपल फ्लैट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्टड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।

कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फैशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेंथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फैशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्नीकर्स, बैले फ्लैट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फैशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

- हल्के रंग चुनें- गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें - कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कम्फर्ट सबसे जरूरी - ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें - ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़ों के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाना सिखाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

लंबे समय तक इन केमिकल युक्त फेस वॉश और क्रीम का इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे, झाइयां और कील-मुंहासे उभरने लगते हैं। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब इन समस्याओं को छिपाने के लिए हम और अधिक कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है और बेजान दिखने लगती है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन शहनाज हुसैन का मानना है कि सुंदरता का असली राज रसायनों में नहीं, बल्कि हमारी रसोई में मौजूद प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों में छिपा है। यदि हम अपनी दिनचर्या में घरेलू उपचारों को शामिल करें, तो न केवल जेब पर बोझ कम होगा, बल्कि त्वचा को भी स्थायी और सुरक्षित निखार मिलेगा।

दही: फ्रेशनेस और टैनिंग का काल

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा रखते हैं।

- **समय का महत्व :** दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।
- **बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन :** पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

- **ताजे जेल का उपयोग :** शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई लुगदी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।

- **एलो-बादाम नाइट क्रीम :** यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

दूध: प्रकृति का सबसे कोमल क्लींजर

दूध को सदियों से सौंदर्य निखारने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने और उसे गहराई से पोषण देने में सक्षम है।

- **हल्दी और दूध का फेस पैक :** हल्दी अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जानी जाती है। आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो चम्मच दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पैक की तरह लगाएं और सूखने दें। जब यह हल्का सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धीरे-धीरे रगड़ते हुए धो लें। यह पैक न केवल रंगत साफ करता है, बल्कि त्वचा के संक्रमण को भी रोकता है।
- **कच्चा दूध और क्लींजिंग :** यदि आप फेस वॉश का विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो कच्चा दूध सबसे बेहतर है। एक कॉटन पैड की मदद से कच्चा दूध पूरे चेहरे पर लगाएं और कम से कम पांच मिनट तक हल्की मालिश करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से कील-मुंहासे कम होते हैं और त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।

खाना खजाना

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सोंधी-सोंधी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

सामग्री

- गेहूं का आटा - 2 कप
- सूजी - 2 टेबल स्पून
- घी - 4 टेबल स्पून
- अजवाइन- टी स्पून
- नमक- स्वादानुसार
- दूध/पानी - जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल - 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज- 1 बारीक कटा
- टमाटर - 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च - 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 टी स्पून
- जीरा - 1 टी स्पून
- हींग - चुटकी भर
- हल्दी - टी स्पून
- धनिया पाउडर - 1 टी स्पून
- लाल मिर्च - स्वादानुसार गरम मसाला - टी स्पून
- घी- 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया - सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोयन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गूंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें।

अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अप्पे पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें सेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कड़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म हो जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम बाटियों को हल्का सा तोड़कर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।

न्यज ब्रीफ

कटे कनेक्शन पर बिजली जलाते मिले 10 पर रिपोर्ट

भमोरा, अमृत विचार : विधुत उपकेंद्र भमोरा में बकाया बिल और विधुत चोरी के खिलाफ चेकिंग करते हुए दस लोगों के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह ऐसे उपभोक्ता थे जिनके कनेक्शन बकाया अदा नहींकरने पर काटे जा चुके थे लेकिन चेकिंग के दौरान इनके घरों में बिजली का उपयोग होता पाया गया। खोराजपुर भमोरा के महेन्द्र पाल पुत्र गणेश राम, श्रीमती नीरज पत्नी प्रेम पाल, सरिता पत्नी हरीश चंद्र, सुदामा पत्नी सोनपाल और रुद्रपुर गांव के मनोज पुत्र राम अवतार, प्रेमपाल पुत्र रक्षपाल, महराज सिंह यादव पुत्र झम्मन सिंह, पुष्पेंद्र पुत्र मैकूलाल, प्रदीप कुमार पुत्र अगरपाल, अवनेंद्र यादव पुत्र रामेंद्र यादव शामिल हैं। सभी के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।टीम में जेई के अलावा मुनेश शाक्य, धीर सिंह विजय, ब्रिजेश यादव आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर की गाली गलौज, मुकदमा दर्ज

भुता अमृत विचार : थाना भुता क्षेत्र के ग्राम म्यूडी खुर्द कला में रंजिश के चलते दबंगों ने एक युवक के घर में घुसकर मारपीट कर दी। पीड़ित सरताज के अनुसार, दोपहर में घर में घुसकर गांव के अली अहमद, जुनैद, साजिद और जाकिर ने गाली-गलौज करते हुए हमला किया। विरोध करने पर आरोपियों ने सरताज समेत बीच-बचाव में आए रिजवान, आजाद, अहमद, को भी पीटा, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर सुनकर ग्रामीण जुटे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गांव का नाम श्रीपुर करने की मांग

शेरगढ़, अमृत विचार : ब्लॉक के गांव मोहम्मदपुर के ग्रामीणों ने एसडीएम बहेड़ी को ज्ञापन देकर ग्राम पंचायत का नाम मोहम्मदपुर से बदलवाकर श्रीपुर करने की मांग की है। एसडीएम बहेड़ी को दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले में वे मुख्यमंत्री पोर्टल, जिलाधिकारी और ऑनलाइन माध्यम से भी शिकायत कर चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव का नाम इंटरनेट पर भी दिखाया जाना चाहिए ताकि उन्हें सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएं मिल सकें। ग्रामीणों का कहना है की पुराने समय में किसी तरह नाम बदल गया लेकिन अब ग्राम पंचायत चुनाव से पहले गांव का नाम श्रीपुर किया जाना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में राम अवतार श्रीवास्तव,हर प्रसाद राठौर,हेमेंद्र पाल सुनील राठौर, सुरेंद्र गंगवार,जसवंत सिंह व, संतोष कुमार,मुकेश कुमार,भगवत,वीरेंद्र कुमार,भागीरथ,धर्मेंद्र कुमार रहे।

भोजीपुरा की नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना लईक अहमद का स्वागत किया।

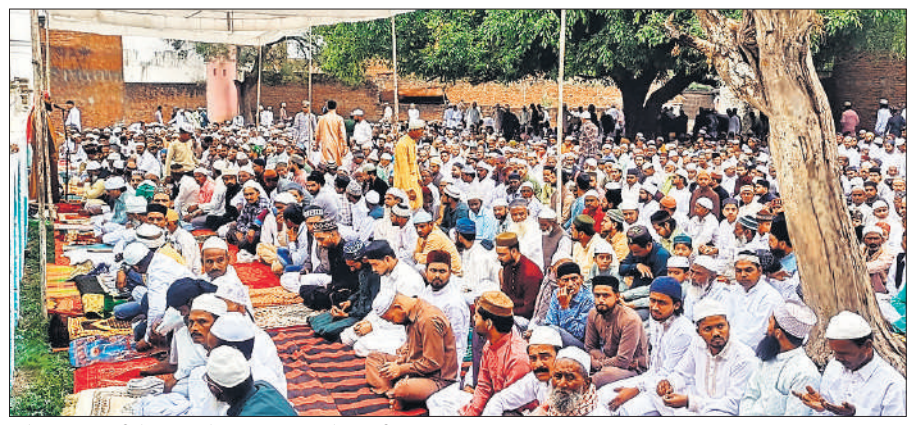

फतेहगंज पश्चिमी में ईदगाह में नमाज अदा करते नमाजी। ● अमृत विचार

रिछा में बुर्कानशीं महिलाओं ने पुरुषों के साथ ईदगाह में नमाज अदा की।

मस्जिदों में नमाज के बाद दिन भर चला ईद मुबारक का सिलसिला

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर, नवाबगंज में दो चरणों में अदा कराई गई नमाज, सेंथल में काली पट्टी बांधकर पढ़ी गई नमाज

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : तहसील मुख्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का त्योहार इस वर्ष विशेष उत्साह, श्रद्धा और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नए कपड़े पहनकर इबादत की और एक-दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी। पूरे दिन सेवइयों की मिठास के साथ रिश्तों में अपनापन घुलता नजर आया। प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा और सभी स्थानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखी गई।

नवाबगंज में ईदगाह पर भारी भीड़ के चलते नमाज दो चरणों में अदा कराई गई। पहली नमाज कारी मौलाना फरियाद हुसैन और दूसरी नमाज मुफ्ती अरमान ने पढ़ाई। अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन के सदर असलम अंसारी की देखरेख में व्यवस्थाएं की गईं। हाजी शफ्फन मियां, हाजी परवेज अंसारी, पुरुषोत्तम गंगवार, छेदा लाल दिवाकर, शारिक हुसैन खान और हरीश गंगवार सहित कई गणमान्य लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार भी हाजी शफ्फन मियां के आवास पहुंचे।

देवरनियां और कस्बा रिछा में ईद भाईचारे के संदेश के साथ मनाई गई। अहले हदीस ईदगाह में महिलाओं ने भी नमाज अदा की, जबकि अन्य स्थानों पर महिलाएं घरों में इबादत करती रहीं। मोती मस्जिद में हाफिज मुबीन और जामा मस्जिद में मुफ्ती शसरिफ मिसवही ने नमाज पढ़ाई। पूरे क्षेत्र में दिनभर मुबारकबाद का सिलसिला चलता रहा और पुलिस ने गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

रिठौरा ईदगाह में मौलाना मुकर्रम रजा ने नमाज अदा कराई, जहां रोजेदारों ने उन्हें सम्मान राशि भेंट की। मुंडिया अहमदनगर, अलीनगर और भीकमपुर में भी उत्साह देखने को मिला। मौलाना लईक अहमद को भी सम्मान स्वरूप नजराना दिया गया। चेयरमैन शकुंतला देवी और अमित कुमार गुप्ता समेत कई लोगों ने शुभकामनाएं दीं।

दुनका, वसई, धनेली और गणेशपुर रासमोहनपुर में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की गई। मीरगंज एसडीएम आलोक कुमार और चौकी इंचार्ज मुनेंद्र पाल ने लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुगल ईदगाह में कड़ी सुरक्षा के बीच नमाज हुई। मुतावली आबिद बेग और इमाम ताज रजा कादरी ने देश की सलामती के लिए दुआ की।

बहेड़ी में ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। मौलाना निसार हुसैन ने अमन और भाईचारे की दुआ कराई। कांग्रेस नेता सलीम अख्तर ने ईदगाह के बाहर लोगों से मिलकर शुभकामनाएं दीं। पुरानी मस्जिद, बशीरी और मदीना मस्जिद में भी नमाज हुई और लोग कब्रिस्तानों में फातिहा पढ़ने पहुंचे।

भमोरा क्षेत्र की 28 मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई। बमियाना, सिरोही और मजनूपुर में मौलाना कारी मुराद, मंसूर अहमद और नईम कलानी ने नमाज पढ़ाई।

आंवला में मुफ्ती दिलशाद कादरी ने ईदगाह में नमाज कराई। नगर पालिका अध्यक्ष सैयद आबिद अली, अगम मौर्य, संगीता पाल, पीयूष वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों ने पुष्प वर्षा कर बधाई दी। एडीएम संतोष कुमार सिंह और एसडीएम बिदुषी सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

अलीगंज में इमाम मुशाहिद ने नमाज पढ़ाई। थाना प्रभारी जगत सिंह पुलिस बल के साथ तैनात रहे। बिशारतगंज, मऊ चंदपुर और आसपास के गांवों में भी शांतिपूर्ण माहौल में ईद मनाई गई।

क्योलडिया, करुआ साहबगंज, बहर जागीर और अन्य गांवों में हर्षोल्लास के साथ ईद मनाई गई। जामा मस्जिद में हाफिज कमालुद्दीन और नूरी मस्जिद में हाफिज अब्दुल वाहिद ने नमाज पढ़ाई।

हाफिजगंज क्षेत्र के सनेखपुर, संतोषपुर, हरहरपुर सहित कई गांवों में नमाज अदा की गई। फातिमा मस्जिद के इमाम इसरार अहमद और जामा मस्जिद के मोहम्मद अयूब अंसारी ने लोगों को मुबारकबाद दी।

मीरगंज कस्बा और देहात में ईद का त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। प्रभारी निरीक्षक अंजना दहिया, संजय तोमर और पंकज कुमार गौतम ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

भोजीपुरा क्षेत्र के धौरा टांडा, भीकमपुर, अलीनगर, अभयपुर समेत सैकड़ों गांवों में नमाज अदा की गई। मौलाना जमील रजा, मुफ्ती रशीद मंजरी और मौलाना लईक अहमद ने नमाज पढ़ाई। विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दीं।

फतेहगंज पश्चिमी: यहां ईदगाह और 11 मस्जिदों में नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद के इमाम इस्लाम वारिस ने नमाज पढ़ाई। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद दी।

फतेहगंज पूर्वी में लोगों ने आपसी भाईचारे के साथ एक-दूसरे को मुबारकबाद दी और सादगी के साथ पर्व मनाया।

फरीदपुर में ईदगाह के अलावा मस्जिदो में बड़ी तादाद में लोग इकट्ठा हुए और ईद की नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी

मीरगंज में मस्जिद के बाहर नमाज पढ़ते नमाजी। ● अमृत विचार

बहेड़ी में गले मिलकर लोगों को मुबारक बाद देते कांग्रेस नेता सलीम अख्तर।

नवाबगंज में ईद पर गले मिलकर मुबारकबाद देते पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार।

इमाम ईदगाह सैय्यद निसार हुसैन ने नमाज़ से पहले नमाज़ियों को खिताब किया।

सेंथल में शिया समुदाय ने काली पट्टी बांधकर अदा की नमाज

सेंथल, अमृत विचार : कस्बे में ईद-उल-फितर का त्योहार इस बार सादगी और गम के माहौल में मनाया गया। शिया समुदाय के लोगों ने शिया धर्मगुरु अली ख़ामेनई की मौत पर दुख जताते हुए हाथों में काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा कर अमेरिका और इस्राईल के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध व्यक्त किया। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग ईदगाह नमाज के लिए पहुंचे। इस दौरान सभी ने अपने बाजू पर काली पट्टी बांध रखी थी। नमाज अदा करने के बाद नमाजियों ने एक दूसरे से गले मिलने से परहेज किया। लोगों ने नए कपड़े पहनने से भी दूरी बनाए रखी, छोटे बच्चे भी पुराने कपड़ों में नजर आए। शिया समुदाय के लोग ईरान के सर्वोच्च नेता व शिया धर्मगुरु अली ख़ामेनई की इजरायल अमेरिका द्वारा ईरान पर हमलों में हुई मौत से दुखी हैं। इसी के चलते इस बार ईद को सादगी से मनाने का फैसला लिया गया। नमाज शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई।

मिशन शक्तिः बाइक रैली निकाली

भोजीपुरा, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने विभिन्न गांवों में बाइक रैली निकाली। इस अवसर पर महिला मिशन शक्ति की प्रभारी एस आई श्वेता त्यागी ने विभिन्न स्थानों पर रैली को रोक-रोकर महिलाओं को जागरुक कर उनके अधिकार की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से खुद को कमजोर नहीं समझने की बात कहते हुए महिला कानूनों के बारे में भी बताया। रैली कस्बा भोजीपुरा, धौरा टांडा, जादोपुर, मुड़िया हाफिज, अटामांडा आदि कई गांवों में भ्रमण किया।इस अवसर पर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह , एसएसआई तेजपाल सिंह व सभी महिला पुलिसकर्मी तथा अन्य सभी स्टाफ उपस्थित था।

शेरगढ़ में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में बाइक रैली में पुलिस कर्मियों के साथ कस्बे की महिलाओं ने भी भागीदारी की। बाइक रैली कस्बे के विभिन्न मार्गों और मोहल्लों से गुजरती हुई थाना परिसर में संपन्न हुई। इस दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक किया गया। महिला कांस्टेबल वर्षा और नीशू वालियान ने नारीशक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने की बात कही। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार,एसएसआई आदित्य गौरव श्रीवास्तव,जगवीर सिंह, ओगेंद्र कुमार,आदि रहे।

शीशगढ़ में रैली थाना परिसर से शुरू होकर पूरे कस्वे की गलियों में रैली निकालकर महिलाओं की आत्म सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा दिए गए नम्बरों की पूर्ण रूप से जानकारी दी।

हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग की अपील

बिशारतगंज अमृत विचार। महिलाओं की सुरक्षा व जागरूकता के लिए थाना बिशारतगंज पुलिस ने मिशन शक्ति 5 .0 के तहत बाइक रैली निकाली। रैली कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए मझगवां व बेहटा बुजुर्ग तक गई और थाना परिसर में समाप्त हुई ।रैली में पुलिस स्टाफ ने भाग लेकर नारी शक्ति, समाज की शक्ति का संदेश दिया। अधिकारियों ने महिला सुरक्षा को लेकर जागरूक रहने व आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग की अपील की।

ट्रक यूनियन रोड पर नगर पालिका नहीं दे पा रही पानी

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : ट्रक यूनियन रोड़ किनारे डाली गई पाइप लाइन फेल हो गई। सड़क के तरफ डाली गई लाइन में चार माह बाद भी पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है। आपूर्ति खोलते ही लाइन लीक हो रही और यह लीकेज भी पकड़ में नहीं आ रही है। इस स्थिति में लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा,

नगर पालिका ने ट्रक यूनियन रोड़ पर बड़ौदा बैंक से लेकर जाफरी चौराहा तक दोनों तरफ पाइप लाइन डलवाई है। चार माह पहले पड़ी यह पाइप लाइन अब तक काम नहीं कर पा रही है। एक साइड की लाइन में तो आज तक पानी छोड़ा ही नहीं गया, जब भी लाइन में पानी छोड़ा जाता है, वह लीक कर जाती है। ठेकेदार लीकेज पकड़ने के लिए जगह -जगह गड्ढे खुदवाता है,लेकिन लाइन सही नहीं हो पा रही है। एक तरफ की लाइन फेल होने से दूसरी तरफ की लाइन को पानी से जोड़ा ही नहीं जा रहा है। हालत यह है कि सड़क किनारे जगह -जगह गड्ढे करने और पानी भरने से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार परेशान हो रहे हैं, इसी सड़क पर ट्रक यूनियन होने के चलते बड़े वाहनों के मिट्टी में धंसने का खतरा बना रहै।

चौराहे पर ट्रक और दूसरे वाहन फंस भी चुके हैं।लाइन शुरू न होने से लोगों को पानी सप्लाई नहीं मिल पा रही है।

सफाई कर्मी बंगलों में तैनात गांव में सफाई नहीं

फरीदपुर, अमृत विचार : प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांव में साफ सफाई के लिए तैनात सफाई कर्मचारी गांव की सफाई ना करके अधिकारियों के बंगले और घर चमका रहे हैं। सफाई के नाम पर लाखों खर्च होने के बाद गांव की तस्वीर नहीं बदल सकी।

गांव को साफ रखने की गरज से एक दशक पहले जिला पंचायत राज विभाग ने सफाई कर्मचारियों की तैनाती की थी गांव की सफाई करने के बजाय अधिकारियों के बंगले की सफाई कर रहे हैं इतना ही नहीं तो कुछ अधिकारियों की गाड़ी भी चला रहे हैं।

आंवला में विश्व वानिकी दिवस पर पौधरोपण

आंवला अमृत विचार। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर शनिवारको आंवला रेंज के अंतर्गत सेंधा वन खंड में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी वीरेंद्र सिंह ने भाग लिया और फलदार, छायादार व औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत चाहरपुर वि.खं. भुता जिला बरेली

पत्रांक : 55 लेखा/कु.नि.वर्ष 2025-26 दिनांक : 20.3.26

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रा.पं. चाहरपुर में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में निम्न कार्य होना है जिसके लिए खडन्जा ईट, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट आदि सामग्री आपूर्ति हेतु दिनांक 25.3.26 तक निविदा आमंत्रण की जाती है जिस फर्म का टेण्डर सबसे कम होगा ग्राम पं. द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा। निविदायें उसी दिन 4 बजे खुलेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1.	लिंक रोड से वीरपाल के घर तक खडन्जा निर्माण कार्य	171200 रूपये

शेर सिंह-प्रधान अजेय सिंह राघव-सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत सुनौर देशनगर ब्लाक भदपुरा (बरेली)

निविदा कोटेशन आमंत्रण सूचना दिनांक : 21.03.2026

वित्तीय वर्ष 2025-2026 में स्वीकृत मनरेगा के अंतर्गत पंचायत को आवंटित/उपलब्ध धनराशि से कराए जाने हेतु निम्नलिखित विवरण अनुसार कार्य के लिए शासकीय विभाग से पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो के निविदार्थे/कोटेशन आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विवरण निम्न अनुसार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत	योजना का नाम	सामग्री
1.	मथुरा प्रसाद के घर से कच्ची सड़क तक सीसी रोड निर्माण कार्य	रेता, बजरी, ईट, बजरफुट रोड़ा, सीमेन्ट पॉलीथीन	348063/-	मनरेगा के अन्तर्गत	316241

इच्छुक पंजीकृत सप्लायर, फार्म निविदा प्रपत्र कार्य दिवस में ग्राम पंचायत सचिव तैनात न होने के कारण एडीओ पंचायत तैनात अमित कुमार के द्वारा प्राप्त कर सकते है। पंजीकृत सप्लायर/फर्म मोहरबंद लिफाफे से प्राप्त निविदाएं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 25.3.2026 को 2.00 बजे तक जमा कर सकते है और उसी दिन 3:00 बजे खोली जायेंगी। प्राप्त निविदाओं की समीक्षा उपरान्त सर्वदा कम दरों के अन्तर्गत आने वाली निविदा को स्वीकृत प्रदान की जायेंगी।

ग्राम प्रधान-कुसुम कश्यप प्रभारी एडीओ पंचायत-अमित कुमार

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि. शाखा द्वितीय तल बालाजी ईएनटी क्लीनिक कच्चा कटरा रोड शाहजहांपुर में खुशनुमा पत्नी जमील शाह निवासी ग्राम पिपरिया खुशाली परगना निगोहीतहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर एक किता तादादी 126.42 वर्ग मीटर जो राजस्व ग्राम पिपरिया खुशाली परगना निगोही तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर की गाटा सं. 342 रकबा 0.182हे. का अंश भाग है मकान स्थित ग्राम पिपरिया खुशाली परगना निगोही तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर में स्थित है। जिसकी चौहद्दी पूरब में मकान अवधेश वर्मा, पश्चिम में मकान याकूब शाह उत्तर में रास्ता पक्का 10 फिट दक्षिण में प्लाट युनुस अली का है को बंधक रखकर मेरे मुवक्किल से ऋण ले रहे है। उक्त मकान खुशनुमा पत्नी जकील शाह ने जकील शाह पुत्र शफायत शाह से द्वारा मान पत्र किया था जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 12.01.2026 को श्रीमान सब रजिस्ट्रार तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर में बही सं. 1 जिल्द सं. 11678 के पृष्ठ 337 से 352 तक क्रमांक 454 पर हुई है।

अत: सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति संस्था को कोई आपत्ति हो तो व अपनी सामान्य काग्र दिवस के 7 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा शाहजहांपुर पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है। उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा खुशनुमा पत्नी जकील शाह के पक्ष में ऋण जारी कर दिया जायेगा।

कृष्ण कुमार (एडवोकेट)
अधिवक्ता हिन्दुजा फा.प्रा. लि. शाहजहांपुर
मो. 9415157686

कोटेदार पर राशन में घटतौली का आरोप

भुता, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पऊनगला निवासी ग्रामीणों में क्षेत्र के कोटेदार के खिलाफ राशन में अनियमितता व घटतौली को लेकर काफी आक्रोश है। जिसकी शिकायत पूर्ति अधिकारी से भी की है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की है।

पीड़ित दिव्यांग जितेंद्र कुमार ने कोटेदार राजपाल पर अपने साथ अभद्रता करने का भी आरोप लगाया है। ग्राम निवासी मालू व भगवानदास ने भी तय मात्रा से कम राशन दिए जाने शिकायत की है। रामकुमार का आरोप है कि 4 महीनों से उनका अंगूठा तो लगवाया जा रहा है। लेकिन राशन नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

सड़क और पुल नहीं तो वोट भी नहीं

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : गांव छितौनिया और बमिया अलीगंज के बीच रास्ते पर बना पुल बेहद जर्जर स्थिति में है। पुल की हालत देख कर ही किसी बड़े हादसे का खतरा महसूस हो रहा है। दोनों गाँवों के बीच की सड़क का हाल भी बेहद खराब है। भाकियू ने इस मामले को उठाया है, और दोनों गाँवों के लोगों ने,रोड़ नहीं तो वोट नहीं, का एलान कर दिया है।

भाकियू ने पिछले दिनों एसडीएम को ज्ञापन देकर यह मुद्दा उठाया था, और अब गांव के लोगों ने पुल पर खडे होकर प्रदर्शन किया, और चेतावनी दी कि अगर चुनाव से पहले सड़क और पुल नहीं बनता है, तो गांव वाले चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

जर्जर सड़क और पुल से खतरा होने पर ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी।

गांव वालों का कहना है कि बरसात के दिनों में नदी का पानी पुल के पांच फिट ऊपर तक बहता है। इस वक्त भी इस रास्ते पर गुज़रना मुश्किल है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। गांव का तहसील मुख्यालय से कनेक्शन ही कटा हुआ है।भाकियू के मीडिया प्रभारी चौधरी अजित सिंह का कहना है कि इस मामले में शासन प्रशासन को अवगत करा दिया गया है।

नहर पटरी कटी, गांव में हो रहा जलभराव

संवाददाता,शेरगढ़

● पीएमश्री विद्यालय, अस्पताल के बाहर जलभराव, दिक्कत

अमृत विचार : ब्लॉक शेरगढ़ के अंतर्गत बल्ली नहर ग्राम पंचायत के लोगों के परेशानी बन गई है। नहर की पटरी तालाब में कटी पड़ी है। जिससे नहर का पानी टेल तक न पहुंच कर गांव में पहुंच रहा है। वहीं तालाब ओवरफ्लो होने के बाद नहर के पानी से आयुष्मान आरोग्य मंदिर और उप-स्वास्थ्य केंद्र के चारों ओर जल भराव है-तो वहीं राजकीय आयुर्वैदिक हॉस्पिटल के मुख्य गेट के दोनों ओर भी जल भराव है। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के गेट से पानी तेज बहाव के साथ बह रहा है जिससे स्कूल खुलने पर स्कूली बच्चे जल भराव के बीच स्कूल में प्रवेश करते हैं। कई साल से नहर की पटरी तालाब में कटी पड़ी है लेकिन जिम्मेदारों ने इसे दुरुस्त नहीं कराया है।

सिंचाई विभाग के जिलेदार राम प्रकाश ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा तालाब से मिट्टी खोदने के चलते नहर की पटरी तालाब में कट गई है। पटरी की मरम्मत कराने के लिए एस्टीमेट भेजा गया है।

अमृत विचार

रविवार, 22 मार्च 2026

बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल॥

रहीम कहते हैं कि जिन लोगों में बड़प्पन होता है, वो अपनी बड़ाई कभी नहीं करते। जिस तरह से हीरा कितना भी अमूल्य क्यों न हो, लेकिन कभी अपने मुंह से अपना मोल नहीं बताता।

प्रकृति की शक्तियों को आदर देने की प्राचीन परंपरा

सत्य प्रत्येक परिस्थिति में उपयोगी होता है, लेकिन जीवन संघर्ष में सत्य के साथ शक्ति भी चाहिए। श्रीराम और रावण के बीच हुआ युद्ध काफी लंबा चला था, लेकिन प्रारंभिक चरण में श्रीराम की विजय सुनिश्चित नहीं थी। इसको लेकर काफी चिंता थी। प्रख्यात कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने 'राम की शक्ति पूजा' में युद्ध का भावुक वर्णन किया है। एक सायं सभी योद्धा शिविर में लौटे। निराला जी लिखते हैं, "आए तब शिविर, सुग्रीव, विभीषण जामवंत, अंगद/हनुमान बैठे रघुकुल मणि श्वेत शिला पर।" निराला जी ने श्रीराम के संशय का उल्लेख किया है,"बोले रघुमन विजय न होगी न समर ये नहीं रहा नर वानर का राक्षस से रण। उतरी पा महाशक्ति रावण से आमंत्रण।" श्रीराम बेचैन हैं। अन्याय जिधर है उधर शक्ति। श्रीराम को आश्चर्य था कि महाशक्ति रावण के पक्ष में क्यों हैं? जामवंत ने कहा, "रघुवर विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण। हे पुरुष सिंह तुम भी यह शक्ति करो धारण। आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर। शक्ति की करो मौलिक कल्पना। करो पूजन।"

रावण ने अपने तप बल से तमाम शक्तियां अर्जित की थीं। शक्ति उपासना का उत्तर शक्ति उपासना में ही संभव है। राम ने भी शक्ति पूजा का आश्रय लिया। राम आसन जमाकर बैठे। आठवें दिन ध्यान ऊर्ध्व शिखर पर पहुंचा। वे प्रत्येक पुरश्चरण के बाद देवी के चरणों में नीलकमल चढ़ाते थे। अंतिम आराधन में श्रीराम ने जैसे ही नीलकमल के लिए अपना हाथ बढ़ाया, नीलकमल गायब था। श्रीराम चिंतित हो गए। हमारा लाया हुआ नीलकमल कहां गया। उन्होंने तत्काल विकल्प बनाया। माताजी मुझको राजीव नयन कहती थीं। मैं वहीं अपने नयन अर्पित करूंगा। निराला जी कहते हैं ब्रह्मांड कांपा। देवी का उदय हुआ। देवी ने राम का हाथ पकड़ा, "देखा राम ने सामने श्री दुर्गा भास्वर।" निराला ने लिखा है,"होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन कहे महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन।"

शक्ति का अर्जन, उपासन पुरश्चरण और जागरण लोक को प्रकाश और आनंद से भर देता है। दुर्गा सप्तशती देवी उपासना के पांचवें अध्याय में देवी को प्रत्येक रूप और भाव में भरा पूरा बताया गया है।

> देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋ ग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं।

यहां देवी लज्जा हैं। विद्या हैं। माता हैं। कण-कण में व्याप्त हैं। 11 वें अध्याय के अंतिम श्लोक में देवी सबको आश्वासन देती हैं कि जब-जब बाधाएं आएंगी। दानवी शक्तियां कष्ट देंगी। तब-तब मैं प्रकट होऊंगी और दानवी शक्तियों का नाश करूंगी। यहां गीता की ध्वनि है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि "जब-जब धर्म का पराभव होगा, तब-तब सज्जनों की रक्षा और धर्म के अभ्युदय के लिए मैं आऊंगा।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है। देवी उपासना की शुरुआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अंबिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं। ईसा पूर्व (छठी शताब्दी) यूनानी दार्शनिक थेल्स ने सृष्टि का उद्भव जल से बताया। इसके पहले ऋग्वेद में जल को जल माताएं 'आपः मातरम्' कहा गया है। इडा, सरस्वती और मही नाम की तीन देवियों का उल्लेख ऋग्वेद (5.5.8) में है। यहां रात्रि भी मां है। ऋग्वेद (10.127) में रात्रि भी उपास्य देवी हैं। कहते हैं, "रात्रि मां के आंचल में पैरों से चलने वाले, पंखों से उड़ने वाले कीट पतिंग और पथिक सुखपूर्वक सोते हैं।" अथर्ववेद में रात्रि देवी को संवत्सर की प्रतिमा कहा गया है। भारतीय देवतंत्र में देवी माँ की अनुभूति गहरी है।

ऋग्वेद में वाणी देवी हैं। वे कहती हैं, "मैं रूद्र, वसु, आदित्य और विश्व देवों के रूप में विचरण करती हूं। मैं मित्र वरुण इंद्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मैं सृष्टि के सभी प्रपंचों रूपों भावों में स्थित हूं। मेरी सहायता से ही प्राणी अन्न खाते हैं। देखते हैं। सांस लेते हैं। सुनते हैं। मैं जिसे चाहती हूं, उसे शक्तिशाली स्तोता, ऋषि और बुद्धिमान बनती हूं। मेरा निवास जल में है। वहीं से मैं सारे संसार में विस्तृत होती हूं।" सही बात है। जल सृष्टि का आदि तत्व है। दिव्यता का आदिकेन्द्र है। देवी वहीं हैं। वे अव्यक्त से व्यक्त होकर सृष्टि बनती हैं और बनाती हैं। ऋग्वेद का यही पूरा सूक्त अथर्ववेद में भी है। अथर्ववेद में अमावस्या और पूर्णिमा भी देवी हैं।

देवी दिव्यता हैं। दिव्यता अनंत रूपों आयामों में प्रकट होती है। दिव्यता के रूप नाम अनेक हैं। कहीं दुर्गा हैं, तो कहीं वाराही। खड्गधारिणी, शूलधारिणी और वैष्णवी। शाश्वत सत्य एक है। उसका कथन और आस्वशित एक है। हड़प्पा की खोदाई में देवी पूजा के तमाम साक्ष्य मिले थे। पत्थर की मोहरों पर देवी का अंकन अनुमानित किया गया। मौर्य काल के पुरातात्विक साक्ष्यों में देवी अभयदान की मुद्रा में हैं। महाभारत के भीष्म पर्व में अर्जुन की दुर्गा स्तुति का उल्लेख है। विराट पर्व में युधिष्ठिर भी देवी की पूजा करते हैं।

दुर्गा सप्तशती सर्वाधिक लोकप्रिय है। नवरात्र उत्सवों में इसका पाठ होता है। इसकी कथा मजेदार है। यहां एक राजा हैं सुरथ। वे मेधा ऋषि के आश्रम में पहुंचे। समाधि नाम का वैश्य है। उसने परिश्रमपूर्वक धन जुटाया था। घर वालों ने उसे घर से निकाल दिया। वह भी ऋषि आश्रम पहुंचा। सुरथ नाम में रथ गति का प्रतीक है और सु सुंदरता का, लेकिन सुरथ सुगति नहीं पा सके। समाधि का अर्थ मन से मुक्ति होता है, लेकिन यहां समाधि नाम के वैश्य धन की चिंता में पीड़ित और परेशान हैं। मेधा ऋषि हैं। मेधा ऋषि ही बनाती है। मेघा दोनों को देवी रहस्य बताते हैं। ऋषि के प्रबोधन से सुरथ सुरथी बनते हैं और समाधि नाम के वैश्य समाधि का वास्तविक अर्थ जान जाते हैं। सप्तशती के पाठ की परंपरा है। पाठ अध्ययन नहीं होता। अध्ययन में बुद्धि साझी होती है। सोच विचार भी चलता है, लेकिन पाठ में हृदय लगता है। तब शब्द अपना मूल अर्थ खो देते हैं। शब्दों के गर्भ में छिपी अक्षर शक्ति प्रकट होती है। यही बात देवी मंदिरों के दर्शन में भी है। देव प्रतीति प्राचीन परंपरा है। इस अनुभूति को दुर्गा, लक्ष्मी, वाराही, काली सहित कोई नाम दीजिए। नाम से फर्क नहीं पड़ता। सर्वत्र एक ही ऊर्जा है। भीतर, बाहर। ऊपर, नीचे, आगे, पीछे।

नवरात्रः आत्मबल, संयम और सकारात्मकता

सनातन संस्कृति में विभिन्न पर्वों के पीछे सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा छिपी है। वासंतिक नवरात्र के अवसर पर भी यही भाव है कि मां दुर्गा की आराधना कर उनसे शक्ति प्राप्त करने की कामना की जाए। मां दुर्गा का जब विविध रूपों में दर्शन करते हैं, तो 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' की प्रार्थना करते है। दरअसल मानव जीवन में मनुष्य पर नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए नकारात्मकता से लड़ने के लिए पूजा-पाठ, व्रत-उपवास किए जाते हैं। साथ ही धर्मग्रंथों के अध्ययन भी इस अवधि में किए जाते हैं। ज्यादातर आस्थावान लोग श्रीदुर्गासप्तशती तो बहुत से लोग रामचरितमानस का नवाह्न विधि से पाठ करते हैं। श्रीदुर्गासप्तशती की शुरुआत ही 'मधु' और 'कैटभ' नामक राक्षसों के वध से है। मधु का एक अर्थ शराब है। यानी नशा। नशा किसी प्रकार का हो वह कोलाविध्वंस है और कैटभ का अर्थ नकारात्मकता से है। यानी जब इन प्रवृत्तियों का प्रभाव जीवन पर पड़ने लगे, तो मां दुर्गा की शरण में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। वैसे भी कोई शिशु संकट में पड़ता है और उसे कष्ट या दुःख होता है, तो अपनी मां के आंचल में जाकर सुख पाता है।

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

सांसारिक जगत में कब कौन सी विपत्ति आ जाएगी कहा नहीं जा सकता। श्रीदुर्गासप्तशती में ही 'सुरथ' नाम के राजा पर कोलाविध्वंस नामक के राक्षस ने आक्रमण कर पराजित कर दिया। सुरथ का अर्थ ही 'सु-रथ' यानी शरीर रूपी रथ को सुचारू रूप से संचालित करने वाला तथा कोलाविध्वंस का अर्थ कुल का विध्वंश करने से निकलता है। राजा सुरथ पर तो राक्षस ने प्रहार किया, जबकि समाधि नामक वैश्य को उसके ही परिवार ने घर से निकाल दिया।

'सुरथ' और 'समाधि' दोनों मेधा ऋषि के आश्रम पर गए और 'मेधा' ऋषि की सेवा करने लगे। निहितार्थ यही है कि अपना मन ही जब नकारात्मक हो जाए या अपनी पंच ज्ञानेंद्रिय रूपी परिवार साथ न दे, तो मेधा-शक्ति यानी सुचिंतन और विवेक का सहारा लेना चाहिए। इसके लिए ऋषियों ने वसंत ऋतु के मादक मौसम में मां दुर्गा की शक्ति पाने के लिए नवरात्र-अनुष्ठान का रास्ता बताया है। नौ द्वार वाला शरीर स्वस्थ रहेगा तभी मेधा शक्ति भी काम आती है। वरना अस्वस्थ शरीर में मन भी कमजोर हो जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

कांग्रेसी विधायकों के बाजार में एक विधायक ऐसा भी

अभी हाल ही हुए राज्यसभा सदस्यों के चुनाव में लगभग सभी चुनावी प्रदेशों में कांग्रेस विधायकों के खरीद फरोख्त का पर्दाफाश हुआ है। कांग्रेस ने कुछ को पार्टी से निकाला है, तो कुछ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। ऐसे चुनावों में कांग्रेस को अपने विधायक छुपाने पड़ते हैं और अंततः दो-चार दस बिक ही जाते हैं। साफ है कि यह कांग्रेस नेतृत्व के चाहे केंद्र का हो या प्रदेश का कहीं न कहीं उसके कमजोर होने का संदेश है। हालांकि हम इसे नैतिकता, सिद्धांत और ईमानदार होने के ढोंग से भी जोड़कर आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। थोक के भाव कांग्रेस विधायकों के खरीद-फरोख्त के बीच कुछ साल पहले यूपी में हुए राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस के विधायक विरेंद्र चौधरी की चर्चा होना स्वाभाविक है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था। चुनाव के ठीक पहले 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन हो चुका था। ऐसे में राज्यसभा चुनाव में सपा को कांग्रेस के दोनों विधायकों के वोट की दरकार थी। इन विधायकों के लिए कांग्रेस का कोई ह्विप भी नहीं था। विधायकों की खरीद-फरोख्त जोरों पर थी। करोड़ों करोड़ की बोली लग रही थी, साथ में लखनऊ में एक वेलफर्निस्ड फ्लैट भी। अब जब ऑफर इतना आकर्षक हो,तो किसका मन नहीं लपलपा जाएगा। इस पर कंट्रोल तो कोई कलेजे वाला, वाकई ईमानदार व सिद्धांतवादी विधायक ही कर सकता है।

> यूपी में कांग्रेस के दो ही विधायक हैं। यहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार भी नहीं था, सपा ने पूर्व आईएएस आलोक रंजन को मैदान में उतार रखा था। आलोक रंजन के लिए यह चुनाव अंतर आत्मा की आवाज पर ही निर्भर था।

निःसंदेह यूपी के महराजगंज जिले के फरेंदा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने ऐसा कर दिखाया। बिना किसी लोभ-लालच में उन्होंने सपा के उम्मीदवार को वोट दिया। इस बात का खुलासा किसी और ने नहीं, स्वयं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने महराजगंज में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र चौधरी के प्रचार हेतु आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। विरेंद्र चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव सिंहपुर के निवासी हैं। बेशक वे एक जमींदार परिवार के सदस्य हैं, लेकिन धन-दौलत की लालच किसको नहीं डिगा दी है। विरेंद्र चौधरी पांच चुनाव हारने के बाद पांचवी बार जीतने में कामयाब हुए हैं। हार वाली इन पांच चुनावों में अच्छे-अच्छे लोग आर्थिक रूप से टूट जाते हैं, जाहिर वीरेंद्र चौधरी के साथ भी ऐसा हुआ हो, बावजूद इसके सिर्फ एक वोट की खातिर करोड़ों रुपये का आफर ठुकरा देना विरेंद्र चौधरी की न केवल पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा का सबूत है, आज की काजल की कोठरी की राजनीति में ईमानदार और सिद्धांतवादी होने का जीता-जागता उदाहरण भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जल की उपलब्धता और शुद्धता का संकट

भारत में जल का वितरण सर्वत्र एक समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों में यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, तो अन्य क्षेत्रों में इसकी कमी है। आज जरूरत इस बात की है कि जल संबंधी ऐसी वितरण व्यवस्था हो ताकि जल हानि न हो और जल प्रदूषित होने से भी बच जाए। इसे बचाने की कोशिश नहीं हुई, तो मानव जीवन का संकट में पड़ना तय है। ध्यान देना होगा कि भूजल जल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसका उचित संरक्षण और उपयोग बेहद आवश्यक है। भारत के जल संसाधन पर नजर दौडाएं, तो भारत में विश्व के जल संसाधनों का 4 प्रतिशत भाग पाया जाता है। इसका लगभग एक तिहाई भाग वाष्पीकृत हो जाता है तथा 45 प्रतिशत भाग ढाल के अनुरूप बहकर तालाबों, झीलों और नदियों में चला जाता है। वर्षा से जल की जो थोड़ी-सी मात्रा यानी तकरीबन 22 प्रतिशत मृदा में प्रवेश कर भूमिगत हो जाती है, उसे भौम जल या भू-जल कहा जाता है। भारतीय उपमहाद्वीप में भूजल का व्यवहार अत्यधिक जटिल है।

> राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है।

जीईसी 1997 के दिशा-निर्देशों एवं संस्तुतियों के आधार पर देश में स्वच्छ जल के लिए भूजल संसाधनों का आकलन किया गया, जिसके मुताबिक देश में कुल वार्षिक पुनः पूर्णयोग्य भूजल संसाधनों का मान 433 घन किमी है। प्राकृतिक निस्सरण के लिए 34 बीसीएम जल स्वीकार करते हुए नेट वार्षिक भूजल उपलब्धता का मान संपूर्ण देश के लिए 399 बीसीएम है। वार्षिक भूजल का मान 231 बीसीएम है, जिसमें सिंचाई उपयोग के लिए 213 बीसीएम तथा घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग के लिए जल का मान 18 बीसीएम है। धरातलीय जल तथा पुनर्भरण योग्य भूमिगत जल से 1,869 घन किमी जल उपलब्ध है और इनमें से केवल 60 प्रतिशत यानी 1,121 घन किमी जल का लाभदायक उपयोग किया जाता है। भूजल पीने के पानी के अलावा पृथ्वी में नमी बनाए रखने में भी मददगार साबित होता है। पृथ्वी पर उगने वाली वनस्पति तथा फसलों का पोषण भी इसी जल से होता है। यहां यह भी जानना जरूरी है कि अन्य देशों की तुलना में भारत में सालाना मीठे व स्वच्छ पानी की खपत अधिक होती है। विश्व बैंक के विगत चार साल के आंकड़ों के अनुसार घरेलू, कृषि एवं औद्योगिक उपयोग के लिए प्रतिवर्ष 761 बिलियन घन मीटर जल का इस्तेमाल होता है। विडंबना यह है कि भूजल के स्तर में लगातार गिरावट भी हो रही है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

भौगोलिक परिदृश्य पर नजर दौड़ाएं, तो भारत के पठारी भाग भूजल की उपलब्धता के मामले में कमजोर हैं। यहां भूजल कुछ खास भूगर्भिक संरचनाओं में पाया जाता है जैसे भ्रंश घाटियों और दरारों के सहारे। वहीं दूसरी ओर उत्तरी भारत के जलोढ़ मैदान हमेशा से भूजल में संपन्न रहे हैं, लेकिन अब उत्तरी और पश्चिमी भागों में भूजल के तेजी से दोहन से अभूतपूर्व कमी देखने को मिल रही है। गिरता भूजल सिर्फ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड या बिहार के सीतामढ़ी तक ही सीमित नहीं है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर 70 प्रतिशत तक नीचे पहुंच चुका है। आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान समय में भारत के 29 प्रतिशत विकास खंड भूजल के दयनीय स्तर पर हैं। ऐसा माना जा रहा है कि 2030 तक लगभग 60 प्रतिशत विकास खंड चिंतनीय स्थिति में आ जाएंगे। हालांकि देश में जल संरक्षण तथा प्रबंधन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समय-समय पर अनेक उपाय किए गए हैं। मसलन 1945 में केंद्रीय जल आयोग का गठन किया गया, जो राज्यों के सहयोग से देश भर में जल संसाधनों के विकास, नियंत्रण, संरक्षण तथा समन्वय को आगे बढ़ाता है। 1970 में केंद्रीय भू-जल बोर्ड का गठन किया गया। बोर्ड का मुख्य कार्य भू-जल संसाधनों के प्रबंधन, स्थायी एवं वैज्ञानिक विकास के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करना तथा राष्ट्रीय नीति की निगरानी में उन्हें वितरित करना है। घटते भूजल संसाधनों के संवर्धन के लिए समुद्र में प्रवाहित होने वाले अतिरिक्त वर्षा अपवाह का संरक्षण करे और फिर उसकी सहायता से पुनः पूर्ण द्वारा भूजल संसाधनों में वृद्धि करें। जलाशयों के जल का समय-समय पर परीक्षण करा नियमित सफाई सुनिश्चित करें। जनसाधारण में जल प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाएं। तटवर्ती भागों में समुद्री जल का निर्लवणीकरण करके जल का विभिन्न कार्यों में प्रयोग करें। राष्ट्रीय स्तर पर दूषित भूजल की रोकथाम के लिए योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करने की भी जरूरत है। यह समझना होगा कि भूजल समस्त वनस्पतियों, पशुओं तथा मानव जीवन का आधार है। उसे प्रदूषण से बचाने के लिए व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है। सिर्फ कागजों पर योजनाओं को उकेरने मात्र से नतीजे अनुकूल नहीं होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

अनियोजित विकासः शहरों की बढ़ती बेबसी

विकास देश के एक कोने से दूसरे कोने में घूम-घूम कर इसे सजाने और स्मार्ट बनने की जिद में है, पर जहां भी यह पहुंच रहा है, उस जगह का बाजा बज रहा है। कहां से शुरू किया जाए? हर शहर-गांव की एक ही कहानी है। जहां गांव खाली हो रहे हैं, वहीं शहरों की आफत आ रही है।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

कुमाऊं का द्वारा कहलाने वाला हल्द्वानी शहर, जिसकी काठगोदाम को शामिल कर अनुमानित जनसंख्या लगभग चार लाख होने को है। यह शहर इंसानों और वाहनों के भार से दबता चला जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुविधा की तलाश में पहाड़ के गावों से यहां पर लोगों का आना लगातार जारी है। इसे उनकी मजबूरी भी कहा जा सकता है, क्योंकि बेहतर जीवन की चाहत और तलाश का अधिकार हर किसी को है। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों से भी लोग जीवन स्तर के सुधार की चाह में और अन्य कई सुविधाओं के कारण उत्तराखंड के इस सबसे बड़े दूसरे शहर में बसना चाहते हैं। महानगर की शक्ल लेता हुआ यह शहर अन्य अनेक शहरों की ही तरह अनियंत्रित विकास की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। शहरों को नियोजित ढंग से बसाने के मास्टर प्लान हमारे नक्शे से गायब हैं। तंग गलियों नुमा सड़कें हैं, बड़े-बड़े घर हैं, बड़ी गाड़ियां भी हैं, पर अंदर पार्किंग की व्यवस्था नहीं।

ऐसे में वाहन आ जाते हैं सड़कों पर, जो आने-जाने वालों के लिए बड़ी ही मुसीबत पैदा करते हैं। 14-15 फीट की सड़क जहां पर पहले से ही सैकड़ों जीआई पाइप उलझे हुए टेढ़े-मेढ़े जंक लगी अवस्था में दफन है, वहां पर कभी ट्यूबवेल का पाइप, कभी नई पेय जल योजना, सीवर, सड़क के दोनों तरफ गैस के पाइप एक दूसरे से टकराते-उलझते टूटे पड़ रहे हैं। घरों से चैंबर तक पहुंचने वाला सीवर पाइप कहीं-कहीं पर एक डेढ़ फीट ही जमीन से नीचे है। कोई इंसान अगर काम करने वाले मजदूरों के साथ खड़ा होकर उसे गहरा करा लेता है, तो थोड़ा गहरा हो जाता है अन्यथा सब कुछ बड़ा हॉच-पॉच है। काम करने वाले मजदूरों को नहीं इतनी जानकारी होती है और न ही इतनी जरूरत। निर्माण कार्य और गुणवत्ता पर बात करना एक अलग मुद्दा हो जाएगा। यूं भी हमारी आधी व्यवस्था अर्थव्यवस्था तो जुगाड़ पर ही टिकी हुई है। पाइपलाइन बिछाने वाली विभिन्न संस्थानों में आपस में ही सामंजस्य नहीं होने की कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। नगर निगम की तरफ से कूड़ा गाड़ी एक दिन छोड़कर हर क्षेत्र में आती है, लेकिन गलियां खुदी होने के कारण लोगों को कूड़े की बाल्टियां उठाकर मुख्य मार्ग तक जाना पड़ता है। ऐसे में स्मार्ट सिटी का सपना कभी-कभी कोरी कल्पना लगता है। एक सुनियोजित प्लानिंग हो, भले ही दो-चार साल और लग जाएं। अनियोजित विकास कार्य कई बार परेशानी का सबब बन जाता है। यहां पूरा खुदा हुआ शहर स्मार्ट सिटी की ओर कदम बढ़ा रहा है, लेकिन मेरे विचार में इस तरह की व्यवस्था गली-मोहल्ले की छोटी-छोटी गलीनुमा सड़कों के लिए उपयोगी नहीं है। मात्र जनता के पैसों की बर्बादी है। 30-35 लाख की आबादी वाला एक मेट्रोपॉलिटन सिटी इंदौर जो अपनी स्वच्छता के लिए हमेशा चर्चा में बना रहता था, लेकिन अचानक दूसरी वजह से चर्चा में आ गया। पानी और सीवर के पाइपों का आपस में एक-दूसरे से लिपटते देखकर मुझे डर लगता है कि कहीं हल्द्वानी भी इंदौर तो नहीं बन जाएगा आने वाले समय में?

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

वैश्विक संघर्ष एवं वसुधैव कुटुंबकम्

पूरी पृथ्वी ही परिवार के समान है। यह भावना वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समसामयिक तथा और अधिक आवश्यकीय प्रतीत होती है। वैदिक ऋषि ने यजुर्वेद में द्युलोक, अंतरिक्ष लोक, पृथ्वीलोक, जल, औषधियों, वनस्पतियों सहित समस्त चराचर जगत की शांति की कामना की है, लेकिन वैदिक कालीन मूल्यपरक शिक्षा पद्धति के अभाव में एवं भौतिकवादी शिक्षा के प्रभाव तथा समाज/राष्ट्रों के मध्य विस्तारवादी नीतियों के कारण वैदिक शिक्षा के विपरीत वैश्विक अशांति की ओर चराचर जगत पहुंच रहा है, जो मानव जगत के लिए दुःखद एवं चिंताजनक है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। जहां एक ओर कुछ दिन पूर्व भारत में परिवर्तित यूजीसी नियमों के कारण समाज में आंतरिक जातिगत असंतोष एवं असमानता फैली है। भविष्य में जिसके जातिगत विभाजक घातक दुष्परिणामों की ओर संकेत हो रहे हैं। वही दूसरी ओर इरान, इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हो रहे संघर्ष युद्ध से भी देश में अशांति बढ़ी है, जिसकी निवृत्ति के लिए वर्तमान सरकारें प्रयासरत हैं।

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
नैनीताल

वैश्विक संदर्भ में विश्व के मध्य-पूर्व का क्षेत्र लंबे समय से विश्व राजनीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के राजनैतिक संघर्ष, धार्मिक मतभेद और रणनैतिक हित अक्सर वैश्विक तनाव का कारण बनते रहे हैं। वर्तमान समय में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस तनाव में कई बार अमेरिका भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल दिखाई देता है। इजरायल की स्थापना और प्रारंभिक स्थिति 1948 में इजरायल की स्थापना के साथ ही मध्य-पूर्व की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। कई अरब और मुस्लिम देशों ने इजरायल के गठन का विरोध किया। हालांकि उस समय ईरान में शाह का शासन था और ईरान ने इजरायल के साथ पूर्ण विरोध की नीति नहीं अपनाई थी। दोनों देशों के बीच कुछ सीमित आर्थिक और कूटनीतिक संबंध भी बने रहे। मध्य-पूर्व में प्रभाव की प्रतिस्पर्धा ईरान और इजरायल दोनों ही मध्य-पूर्व में अपना राजनीतिक और सामरिक प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इस कारण कई बार दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की बजाय परोक्ष संघर्ष देखने को मिलता है। सीरिया और लेबनान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के हित टकराते रहे हैं। कई बार इजरायल ने सीरिया में उन ठिकानों पर हमले किए हैं, जिन्हें ईरान समर्थित मानता है।

मध्य-पूर्व की राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का प्रमुख सहयोगी रहा है और कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसका समर्थन करता रहा है। दूसरी ओर ईरान और अमेरिका के बीच भी कई राजनीतिक और आर्थिक विवाद रहे हैं। इस कारण जब भी ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता है, तब अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका की भूमिका भी चर्चा में आ जाती है। ईरान-इजरायल संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, राजनीतिक, धार्मिक और रणनीतिक कारणों से जुड़ा हुआ एक जटिल अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है। फिलिस्तीन का प्रश्न, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन इस संघर्ष को और अधिक जटिल बनाते हैं। यही कारण है कि मध्य-पूर्व में उत्पन्न होने वाला कोई भी तनाव केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है, क्योंकि प्राकृतिक तेल, गैस आदि दैनिक मूलभूत आवश्यकताओं से युक्त देश के संकट में आने से पूरे विश्व में अशांति एवं संकट बढ़ा सकती है। आज के परिप्रेक्ष्य में परिवार-समाज से लेकर राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक वसुधैव कुटुंबकम् की भावना ही शांति-सुकून प्रदान कर सकती है, जिसको राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के साथ ही वैश्विक मंचों में प्रमुखता से स्थान मिलना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ऑनलाइन वीडियो अपलोड करना निष्पक्ष मुकदमे के लिए गंभीर खतरा

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मोबाइल फोन पर बनाए गए वीडियो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के चलन पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि ऐसी गतिविधियां निष्पक्ष सुनवाई के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने शुक्रवार को की।

पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि पुलिस आरोपियों के वीडियो तथा तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करती है और लोगों को पूर्वाग्रह बनाने को प्रेरित करती है। जनहित याचिका में कहा गया कि न्यायालय एक अन्य मामले में पहले ही राज्यों को पुलिस की प्रेसवार्ता के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को कह चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। पीठ ने याचिकाकर्ता हेमेंद्र पटेल को दिशा-निर्देशों से संबंधित परिणाम की प्रतीक्षा करने का सुझाव दिया और पटेल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की इस बात से सहमति व्यक्त की कि आजकल मोबाइल फोन रखने वाला हर व्यक्ति मीडिया कर्मी बन गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने पुलिस द्वारा आरोपियों को हथकड़ी पहनाए जाने, रस्सियों से बांधे जाने, जुलूस निकालने, घुटने टेकने के लिए मजबूर किए जाने आदि की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की हालिया प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत गरिमा का अपमान करने के अलावा, जनता के पूर्वाग्रह को भी बढ़ाता है।

न्यायमूर्ति बागची ने शंकरनारायणन से कहा कि पुलिस की बात करने के बजाय उन्हें पुलिस, पारंपरिक और सोशल मीडिया के लिए एक व्यापक तंत्र की मांग करनी चाहिए। पुलिस प्रेसवार्ता के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि व्यापक परिप्रेक्ष्य में, अदालत का मानना है कि पुलिस को प्रेसवार्ता के माध्यम से आरोपी के खिलाफ पूर्वाग्रह पैदा नहीं करना चाहिए।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के माध्यम से पुलिस को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन मीडिया, विशेषकर सोशल मीडिया और जनता के बारे में क्या? क्या उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है? तुलनात्मक रूप से, टीवी चैनल कहीं अधिक संयमित हैं, भले ही कोई उनके विचारों से असहमत हो।

- अदालत ने कहा-आरोपियों की वीडियो तथा तस्वीरें लोगों को पूर्वाग्रह बनाने को करती हैं प्रेरित

लंबित आपराधिक मामलों में बढ़ रहा मीडिया ट्रायल का खतरा, यह गंभीर चिंता का विषय

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि वर्तमान मुद्दे पर याचिका में उठाए गए तात्कालिक प्रश्न से परे व्यापक विचार-विमर्श की आवश्यकता हो सकती है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि चिंता का विषय यह है कि पुलिस अधिकारी प्रेसवार्ता के दौरान अति सक्रिय हो जाते हैं और लंबित आपराधिक मामलों में मीडिया ट्रायल का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सच्चाई का पता लगाने के लिए स्वतंत्र जांच करना जांच एजेंसी का कर्तव्य है। संतुलन बनाए रखने के लिए यह नियमावली एक बहुत ही सकारात्मक कदम है। यह नियमावली पुलिस को ऐसे अति उत्साही बयान देने से रोकेगी जिनसे उन मामलों के संबंध में निष्कर्ष निकाला जा सकता है जिनका न्यायोचित और निष्पक्ष तरीके से निर्णय होना चाहिए।

राज्यसभा में कल सीएपीएफ बिल पेश करेंगे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। राज्यसभा द्वारा जारी कार्यसूची में यह जानकारी दी गई है। सभी सीएपीएफ -केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल - अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं।

इन अधिनियमों के तहत बने नियम सीएपीएफ में समूह 'ए' सामान्य ड्यूटी अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों और कर्मियों की भर्ती एवं सेवा शर्तों को नियंत्रित करते हैं। सूत्रों के अनुसार, कार्यगत और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के विस्तार तथा समय के साथ विकसित हुए प्रत्येक सीएपीएफ के विशिष्ट संगठनात्मक ढांचे के कारण इस कानून की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने कहा कि सीएपीएफ को नियंत्रित करने के लिए, कोई एक कानून नहीं होने के कारण नियामक ढांचा बिखरे हुए तरीके से विकसित हुआ।

सीबीआई ने की रिलायंस एडीए समूह के पूर्व प्रबंध निदेशकों से पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2,929.05 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी का मामला

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह के दो पूर्व समूह प्रबंध निदेशकों से रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और अनिल अंबानी से जुड़े 2,929.05 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में सीबीआई ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और बैंक ऑफ महाराष्ट्र से जुड़े करीब 57 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी के मामले में ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सलाहकार संजय डांगी से पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की संपत्तियों का अधिग्रहण किया है, जिनकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामलों में वित्तीय संस्थानों और बैंकों को 9,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। एजेंसी ने हाल ही में एसबीआई की शिकायत पर दर्ज रिलायंस कम्युनिकेशंस मामले में आरोपी अनिल डी अंबानी से दो दिनों तक पूछताछ की थी।

40 हजार करोड़ रुपये था बकाया

सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक रिलायंस कम्युनिकेशंस पर ऋणदाताओं का 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया था, जिसमें अकेले एसबीआई का 2018 के आंकड़ों के अनुसार 2,929 करोड़ रुपये था। एसबीआई की शिकायत पर 21 अगस्त 2025 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें 2,929.05 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप था। रिलायंस एडीए ग्रुप के पूर्व प्रबंध निदेशक गौतम दोषी और सतीश सेठ शनिवार को सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ के लिए जांच अधिकारी के सामने पेश हुए।

ब्रीफ न्यूज

मदर टेरेसा के नाम का अनुचित उपयोग होगा अस्वीकार्य

कोलकाता। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने विभिन्न गतिविधियों के लिए किन्हीं भी संगठनों और व्यक्तियों द्वारा उसके और मदर टेरेसा के नाम के अनधिकृत उपयोग के खिलाफ चेतावनी दी है। इनका नाम धन जुटाने और प्रचार अभियान में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह सलाह ऐसे समय में जारी की गई है जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कुछ संगठन और व्यक्ति बिना अनुमति के धन जुटाने की गतिविधियों के लिए मदर टेरेसा के नाम और छवि का उपयोग कर रहे हैं। अपने संस्थापक द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों पर जोर देते हुए, मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने कहा, मदर टेरेसा ने कभी नहीं चाहा कि उनके नाम या छवि का उपयोग धन जुटाने या चंदा मांगने के उद्देश्यों के लिए किया जाए, यहां तक कि धर्मार्थ कार्यों के लिए भी नहीं।

विवि में आधुनिक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम शामिल होने चाहिए

मुंबई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि विश्वविद्यालयों में दुनिया की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम होने चाहिए। उन्होंने रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह के दौरान यहां लोक भवन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य उन लोगों का है जो तकनीकी कौशल के साथ व्यावहारिक कौशल जैसे संप्रेषण, टीम वर्क, अनुकूलन क्षमता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का समन्वय करते हैं। उप राष्ट्रपति ने अनुकूलन क्षमता की अनिवार्यता को रेखांकित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की असली ताकत उसके लोगों की क्षमताओं में निहित है। राधाकृष्णन ने कहा कि हमें समाज के हित में सभी सकारात्मक कदम उठाने चाहिए।

आईटीबीपी ने ग्रामीणों को दिए उपयोगी सामान और सलाह

बीजापुर। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 38वीं वाहिनी द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में ग्रामीणों के सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीओबी एडजुम कैम्प परिसर में शनिवार को सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को उपयोगी सामान वितरित किया गया और नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुरक्षा बलों के इस प्रयास की सराहना की। आईटीबीपी ने आज बताया - कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें दुलूर और गौदारी गांव के लगभग 35 ग्रामीण शामिल हुए।

नौसेना में 3 अप्रैल को शामिल होगा स्वदेश में निर्मित युद्धपोत तारागिरी

- रक्षामंत्री करेंगे कमीशन, 75 फीसदी स्वदेशी उपकरणों से लैस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुपरसोनिक मिसाइल समेत अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत तारागिरी को तीन अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और यह राष्ट्र के पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैन्य शक्ति बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयास का एक सशक्त प्रमाण होगा।

नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में तारागिरी केवल एक युद्धपोत नहीं है, यह 6,670 टन का मेक इन इंडिया भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्डों की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। नीलगिरि श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा जहाज और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज ''तारागिरि'' पिछले साल 28 नवंबर को एमडीएल, मुंबई में नौसेना को सौंप दिया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय नौसेना, भारत की समुद्री संप्रभुता के एक निर्णायक समारोह में तीन अप्रैल को स्टील्थ युद्धपोत तारागिरि (एफ41) को सेवा में शामिल करने की तैयारी कर रही है।

विश्व स्तरीय आधुनिक हथियारों से सुसज्जित

युद्धपोत का हथियार भंडार विश्व स्तरीय है। इसमें सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली है। ये प्रणालियां अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से निर्बाध रूप से एकीकृत हैं जिससे चालक दल पलक झपकते ही खतरों का जवाब दे सकता है। नौसेना ने कहा कि इसका आकार अधिक सुव्यवस्थित है और इसमें कम रडार क्रॉस-सेक्शन है, जिससे यह घातक स्टील्थ तकनीक से कार्य करने में सक्षम है।

खर्च नहीं कर पाए नदी जोड़ो प्रोजेक्ट को आवंटित राशि

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने नदियों को जोड़ने की योजना के तहत 2025-26 में आवंटित राशि का उपयोग न कर पाने पर चिंता जताई और सरकार से परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए कार्यान्वयन में तेजी लाने का आग्रह किया है।

जल संसाधन संबंधी संसद की स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) की स्थापना 1980 में की गई और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के तहत नदियों को जोड़ने का कार्य सौंपा गया है, जिसके तहत 30 लिंक परियोजनाओं की पहचान की गई।

बर्फ से ढकी कुल्लू घाटी

कुल्लू के सोलांग घाटी क्षेत्र में ताजा बर्फबारी के बाद पूरी घाटी बर्फ से ढंक गई। बर्फबारी का पर्यटकों ने खूब आनंद उठाया।

यूएई ने कहा- भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत को आश्वस्त किया है कि खाड़ी देश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के हमलों के बीच यूएई ने कहा कि वहां रहने वाले भारतीय सुरक्षित हैं और उनके साथ परिवार की तरह व्यवहार किया जाता है। भारत में यूएई के राजदूत अब्दुलनसीर अलशाली ने भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का सह-प्रायोजक बनने के फैसले की सराहना की। अलशाली ने कहा, यूएई में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्हें परिवार की तरह माना जाता है। जैसे देश में रहने वाले 200 अन्य देशों के लोगों का भी सम्मान किया जाता है।

अमेरिकी सांसद ईरान युद्ध पर उठा रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी

- पूछा- यह युद्ध कब, कैसे और किस कीमत पर होगा समाप्त

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के समर्थन के बिना ही अमेरिका को युद्ध में धकेल दिया, लेकिन सांसद यह सवाल उठा रहे हैं कि ईरान के साथ युद्ध कब, कैसे और किस कीमत पर समाप्त होगा। युद्ध शुरू हुए तीन सप्ताह हो चुके हैं और अब इसके परिणाम स्पष्ट होने लगे हैं।

कम से कम 13 अमेरिकी सैन्यकर्मी मारे गए हैं और 230 से अधिक घायल हुए हैं। पेंटागन द्वारा युद्ध निधि के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का अनुरोध व्हाइट हाउस में लंबित है। सहयोगी देशों पर हमले हो रहे हैं, तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और हजारों अमेरिकी सैनिक पश्चिम एशिया में तैनात किए जा रहे हैं, जबकि इस समस्या का कोई अंतिम समाधान नजर नहीं आ रहा। उत्तरी कैरोलिना से रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस ने कहा कि असल सवाल यह है कि हम आखिर क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं? ट्रंप ने शुक्रवार देर रात कहा था कि वह सैन्य अभियानों को समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं, साथ ही उन्होंने नए उद्देश्यों और लक्ष्यों की रूपरेखा भी बताई थी। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा है कि सैन्य अभियान जल्द ही समाप्त हो जाएगा। जॉनसन ने कहा कि मुझे लगता है कि मूल मिशन लगभग पूरा हो चुका है।

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट स्वार्थ से प्रेरित

नई दिल्ली, एजेंसी

- 275 पूर्व न्यायाधीशों और अधिकारियों ने की आलोचना
- रिपोर्ट में की गई है आरएसएस पर प्रतिबंध की सिफारिश

अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की हालिया रिपोर्ट की भारत के 275 पूर्व न्यायाधीशों, नौकरशाहों और सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों ने आलोचना की है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। उन्होंने इसे निहित स्वार्थ से प्रेरित करार दिया और कहा कि इससे बौद्धिक दिवालियापन एवं विकृत निष्कर्ष प्रदर्शित होता है। शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान में, उन्होंने अमेरिका सरकार से यूएससीआईआरएफ की इस अत्यधिक पक्षपातपूर्ण और निराधार रिपोर्ट में योगदान देने वाले सभी लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने का आग्रह किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें निहित स्वार्थ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य भारत की साख को धूमिल करना है। संयुक्त बयान में हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि यूएससीआईआरएफ द्वारा भारतीय नागरिकों की संपत्ति जब्त करने, आवाजाही प्रतिबंधित करने और आरएसएस से जुड़े लोगों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश निहित स्वार्थ से प्रेरित है, और बौद्धिक दिवालियापन एवं विकृत निष्कर्षों को दर्शाती है। इसमें कहा गया, यूएससीआईआरएफ के सभी छह आयुक्तों की नियुक्ति अमेरिका सरकार द्वारा की जाती है और उन्हें अमेरिकी करदाताओं द्वारा अमेरिकी कांग्रेस के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। हम अमेरिका सरकार से इस रिपोर्ट में योगदान देने वाले यूएससीआईआरएफ के सभी लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने का आह्वान करते हैं। पूर्व न्यायाधीशों, नौकरशाहों और सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों ने कहा कि यह अमेरिका के करदाताओं के लिए आंखें खोलने वाला होगा।

नाकारात्मक पहलू

इस बयान में यूएससीआईआरएफ की प्रवृत्ति पर चिंता जताई गई, जिसके तहत वह भारतीय संस्थानों और आरएसएस जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों को पर्याप्त संदर्भ के बिना नकारात्मक रूप से चित्रित करता है। बयान में कहा गया कि यह यूएससीआईआरएफ की उस बार-बार दोहराई जाने वाली प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिसमें वह भारतीय संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों को अक्सर उचित व्यापक स्तर के साक्ष्यों के बिना, अत्यधिक नकारात्मक पहलुओं में चित्रित करता है।

बीजद ने छह विधायकों को पार्टी से किया निलंबित

भुवनेश्वर, एजेंसी

- राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने पर की कार्रवाई

बीजू जनता दल (बीजद) ने ओडिशा की चार राज्यसभा सीट के लिए हाल में हुए चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने के लिए अपने छह विधायकों को निलंबित कर दिया।

पार्टी प्रमुख नवीन पटनायक के एक आदेश के अनुसार, निलंबित विधायकों में बालीगुडा सीट से चक्रमणि कन्हार, जयदेव सीट से नबा किशोर मलिक, चौद्वार-कटक सीट से सौविक विश्वाल, बस्ता से सुबासिनी जेना, तिरतोल से रमाकांत भोई और बांकी से देवी रंजन त्रिपाठी शामिल हैं। निलंबन का निर्णय बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पटनायक ने की। इन छह विधायकों को 17 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। विधानसभा में बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार शाम को अपने जवाब प्रस्तुत किए और वे संतोषजनक नहीं पाए गए। मलिक ने कहा कि पार्टी निलंबित छह विधायकों को अयोग्य घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखेगी। विधायकों ने मुख्य सचेतक से नोटिस वापस लेने को कहा था। पिछले सोमवार को हुए द्विवार्षिक चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्यसभा की चार सीट में से दो पर जीत हासिल की थी, जबकि विपक्षी दल बीजद और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार ने एक-एक सीट हासिल की थी। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा विधायकों की संख्या 79 है और उसे तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। भाजपा के उम्मीदवारों को 93 प्रथम वरीयता वोट मिले, जो विधानसभा में उनकी संख्या से 11 अधिक थे। एक अधिकारी ने बताया था कि इन 11 मतों में से बीजद के आठ विधायकों के और कांग्रेस के तीन विधायकों के थे। इस बीच, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) ने भी अपने तीन विधायकों रमेश जेना (सनाखेमुंडी), दसरथी गोमांगो (मोहना) और सोफिया फिरदौस (बाराबती-कटक) को पार्टी विरोधी गतिविधियों और क्रॉस वोटिंग में निलंबित कर दिया है।

विशेषज्ञों ने कहा | प्रोटोटाइप का परीक्षण किए बिना उत्पादन बढ़ाना हो सकता है जोखिम भरा कदम

स्वदेशी बुलेट ट्रेन का स्वागत लेकिन व्यवहार्यता परीक्षण जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति वाले रेल कॉरिडोर पर दौड़ेंगी दो बुलेट ट्रेनें

देश में 250 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने वाली बुलेट ट्रेन के निर्माण के कदम का स्वागत करते हुए विशेषज्ञों ने रेल मंत्रालय को आगाह किया कि प्रोटोटाइप का परीक्षण किए बिना उत्पादन बढ़ाना जोखिम भरा हो सकता है। विशेषज्ञों की यह चेतावनी उन खबरों के बाद आई है कि मंत्रालय जल्द ही अन्य ट्रेनों के लिए निविदा जारी करेगा।

मंत्रालय ने मेड-इन-इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए 2024 में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को 2027 तक 250 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली दो बुलेट ट्रेन को विकसित करने का ठेका दिया था। हाल ही में मंत्रालय ने एक संसदीय समिति को सूचित किया कि भारत में निर्मित पहली दो बुलेट ट्रेनें 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति वाले रेल कॉरिडोर पर चलेंगी। इनका नाम बी28 है।

रेल कॉरिडोर का पहला चरण सूरत से वापी तक 97 किलोमीटर का खंड अगस्त 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी की वित्तीय सहायता से इस कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें जापानी सिग्नलिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जापान में निर्मित 320 किमी/घंटा की गति वाली बुलेट ट्रेनें चलाई जाएंगी। मंत्रालय ने संसदीय समिति के समक्ष अपने निर्णयों के समर्थन में कहा कि जापान निर्मित ट्रेनों को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों के कारण मंत्रालय ने पहले चरण में 250 किमी/घंटा की गति क्षमता वाली स्वदेशी ट्रेनों को विकसित करने का निर्णय लिया, जिसे बाद में 320 या 350 किमी/घंटा तक उन्नत किया जाएगा। अधिकारियों ने चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जापान ने अपने पहले के प्रस्ताव ई5 शिंकानसेन ट्रेन के बजाय अधिक उन्नत ई10 शिंकानसेन ट्रेन का प्रस्ताव रखा। ई5 का उत्पादन वर्तमान में जापान में बंद हो चुका है।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जापान के प्रस्ताव के अनुसार, ई10 शिंकानसेन ट्रेन को 2030 के दशक की शुरुआत तक जापान में शुरू किए जाने की उम्मीद है और उसके बाद, भारतीय जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक डिजाइन परिवर्तन कर इन्हें 2032 तक परीक्षण के लिए पेश किए जाने की उम्मीद है। इससे पूरी परियोजना की शुरुआत में देरी होगी, इसलिए, मंत्रालय ने स्वदेशी बी28 ट्रेनों को चुनने का निर्णय लिया।" मंत्रालय ने बी28 ट्रेनों के लिए सिगनल प्रणाली स्थापित करने का ठेका 2025 में सीमेंस को दिया था।

12 से अधिक बुलेट ट्रेनों के लिए निविदा

अब, ऐसी खबरों के बीच कि मंत्रालय बीईएमएल को एक दर्जन से अधिक बी28 ट्रेन के उत्पादन के लिए निविदा दे सकता है, बुनियादी ढांचा विशेषज्ञों के एक वर्ग ने मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति वाले कॉरिडोर पर काम के समापन की सराहना करते हुए भी उत्पादन बढ़ाने के निर्णय पर आपत्ति जताई है। रेलवे बोर्ड के पूर्व इंजीनियरिंग सदस्य सुबोध जैन ने कहा, अगर आप भारत में लोकोमोटिव निर्माण के इतिहास पर नजर डालें, तो आप पाएंगे कि हमने पहले लोकोमोटिव आयात किए, फिर तकनीक को यहां स्थानांतरित कराया और अपना उत्पादन शुरू किया।

अब तक 180 की गति वाली ट्रेनें ही बनाई

रेलवे बोर्ड के पूर्व इंजीनियरिंग सदस्य सुबोध जैन ने कहा, अब तक, हमने स्वदेशी रूप से 180 किमी प्रति घंटे की चलने की क्षमता वाले लोकोमोटिव विकसित किए हैं। इसलिए, 250 किमी प्रति घंटे की गति की ट्रेन के लिए प्रोटोटाइप का व्यवहार्यता परीक्षण अनिवार्य है। 250 किमी रफ्तार वाली ट्रेन की तकनीक 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली ट्रेन से पूरी तरह अलग है। बाद में 250 किमी प्रति घंटे गति वाली ट्रेन को 350 किमी प्रति घंटे वाली ट्रेन में उन्नत नहीं किया जा सकता। उत्पादन से पहले 250 या 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली ट्रेन का प्रूफ परीक्षण करना होगा।

अमृत विचार
बरेली, रविवार ,22 मार्च 2026
www.amritvichar.com

टाटा.ईवी ने पेश किया हैरियर.ईवी का नया मॉडल

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली इकाई टाटा .ईवी ने शनिवार को हैरियर .ईवी का नया मॉडल फीयरलेस प्लस क्वॉड75 पेश करने की घोषणा की। इसकी एक्स शोरूम कीमत 26 .49 लाख रुपये है। इसमें चार्जर की लागत शामिल नहीं है। एसी फास्ट चार्जर के लिए 49 हजार रुपये अलग से देने होंगे।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2565, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि . 2600, रविन्द्रा 2575, फॉर्चुन 13kg 2300, जय जवान 2155, सचिन 2300, सूरज 2155, अवसर 2080, उजाला 2190, गृहणी 13 kg 2145, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2360, चक्र टिन 2535, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2520
किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050
चावल–(प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200
दाल दलहन–मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी– पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, धामपुर 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम– सोना– पक्के जेवर 148500, सोना (गिन्नी) 144500, चांदी (पक्की) 2300 (अनुमानित)

स्कोडा ने जारी की नयी कुशक की कीमत

नयी दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नये लुक में अपग्रेड के साथ नयी कुशक की कीमतों और ग्राहकों को डिलिवरी की घोषणा की है। कंपनी ने इस साल जनवरी में नयी कुशक लॉन्च की थी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने शनिवार को बताया कि इसकी कीमत 10 .69 लाख रुपये से 18 .99 लाख रुपये तक है।

अवलोकन

मुंबई के लोक भवन स्थित स्वर्गीय जयंत सहस्रबुद्धे हॉल में आयोजित एक प्रदर्शनी में उपराष्ट्रपति सी .पी . राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। ● फाटो–एजेंसी

महंगी होगी हवाई यात्रा ! किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस

सीट के खेल पर छिड़ी जंग: सरकार के 60% फ्री सीट नियम के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में हवाई यात्रा को सस्ता और सुविधाजनक बनाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नए निर्देशों ने एविएशन सेक्टर में हलचल मचा दी है। इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी दिग्गज एयरलाइंस ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें हर फ्लाइट की 60% सीटों को अतिरिक्त शुल्क से मुक्त रखने का आदेश दिया गया है। इस आदेश से सरकार यात्रियों को 'वेब चेक-इन' के नाम पर होने वाली वसूली से बचाना चाहती है, वहीं एयरलाइंस इसे अपने बिजनेस मॉडल पर हमला मान रही हैं।

तीनों प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन

'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' ने मंत्रालय को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की गुहार लगाई है। एयरलाइंस का तर्क है कि सीट चयन से होने वाली कमाई उनके राजस्व का एक बड़ा हिस्सा है। अगर इस पर अंकुश लगाया गया, तो उन्हें अपने घाटे की भरपाई के लिए बेस फेयर (मूल किराए) में बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। इसका सीधा असर उन यात्रियों की जेब पर भी पड़ेगा जो सीट का चुनाव नहीं करते।

एफआईए ने उठाए चार सवाल:

राजस्व का वैध स्रोत : एयरलाइंस का कहना है कि वे बहुत कम मुनाफे पर काम करती हैं। सीट सिलेक्शन जैसे आय के स्रोत उनके अस्तित्व के लिए जरूरी हैं।

लागत में वृद्धि : ईंधन (ATF), रखरखाव और एयरपोर्ट शुल्क लगातार बढ़ रहे हैं, ऐसे में कमाई के रास्ते बंद करना तर्कसंगत नहीं है।

बाजार की आजादी : इस फैसले से एयरलाइंस की अपनी सेवाओं की कीमत तय करने की व्यावसायिक स्वतंत्रता प्रभावित होगी।

संवाद की कमी : मंत्रालय ने इतना बड़ा फैसला लेने से पहले एयरलाइंस या अन्य हितधारकों से कोई मशविरा नहीं किया।

विवाद की मुख्य वजह: वर्तमान नियमों के तहत एयरलाइंस केवल 20% सीटें ही बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराती हैं। बाकी 80% सीटों पर 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर अतिरिक्त 500 से 3000 रुपये तक वसूले जाते हैं। सरकार ने अब बिना अतिरिक्त शुल्क वाली सीटों के कोटे को बढ़ाकर 60% करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय और डीजीसीए के नए नियमों का उद्देश्य यात्रियों को 'हिडन चार्जेस' से बचाना है। यहाँ कुछ प्रमुख बदलाव दिए गए हैं जैसे-साथ बैठने की सुविधा, पारदर्शिता, सामान और पेट्स तथा देरी पर राहत भी यात्रियों को मिलेगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने 50 फीसदी तक बढ़ाया वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन

23 मार्च से लागू होगी नई व्यवस्था, कम हो गयी घबराहट में की जाने वाली बुकिंग, पीएनजी आपूर्ति को बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 20 फीसदी आवंटन मंजूर किया है। इससे कुल आवंटन बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। नई व्यवस्था 23 मार्च 2026 से प्रभावी होगी। घरेलू उत्पादन में सुधार के कारण स्थिति सामान्य हो रही है।

पश्चिम एशिया में तीन सप्ताह के युद्ध से भारत की ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई थी। वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को युद्ध के कारण पहले एलपीजी आपूर्ति में कटौती की गई थी। घरेलू रसोई को प्राथमिकता देने के लिए यह कदम उठाया गया था। बाद में उनकी आपूर्ति का एक पांचवां हिस्सा बहाल किया गया। सरकार ने राज्यों द्वारा पाइप गैस परियोजनाओं में तेजी लाने पर 10 फीसदी अतिरिक्त आपूर्ति की पेशकश की थी।

सरकार ने शनिवार को रेस्तरां, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, सामुदायिक रसोई और सब्सिडी वाले खाद्य केंद्रों के लिए एलपीजी का 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन करने की घोषणा की। साथ ही सरकार ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को लक्षित वितरण के माध्यम से सहायता भी प्रदान की जाएगी।

सरकारी बयान में कहा गया कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास किसी प्रकार की कमी नहीं है और वितरण कार्य सामान्य रूप से जारी हैं।

घबराहट में किए जाने वाले एलपीजी बुकिंग अब कम हो गई है, और नागरिकों को भीड़ इकट्ठा करने से बचने और होम डिलीवरी पर निर्भर रहने की सलाह दी गई है। आपूर्ति संबंधी दबाव को कम करने के लिए, सरकार पीएनजी की आपूर्ति को बढ़ावा दे रही है, विशेष रूप से वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए, और राज्यों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है।

साथ ही, सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल भंडार के साथ पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं, ताकि पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। सरकार ने कहा कि खुदरा दुकानों पर ईंधन की कमी की कोई सूचना नहीं मिली है और जनता को घबराकर खरीदारी न करने की सलाह दी गई है।

सरकार ने अतिरिक्त उपायों के तहत घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया है, बुकिंग अंतराल बढ़ाए हैं और राज्यों को अतिरिक्त केरोसिन आपूर्ति आवंटित की है ताकि वैकल्पिक ईंधन विकल्प उपलब्ध हो सकें। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक देशभर में 3,500 से अधिक छापेमारी की गई, जिससे लगभग 1,400 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए।

पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले संस्थानों को ही मिलेगी अतिरिक्त एलपीजी

तेल सचिव द्वारा राज्यों को लिखे गए पत्र के अनुसार, यह अतिरिक्त एलपीजी आवंटन उन वाणिज्यिक संस्थानों को मिलेगा जिन्होंने तेल कंपनियों के साथ पंजीकरण कराया हो और पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए आवेदन किया हो।

इन्हें भी मिलेगा फायदा

कामर्शियल गैस की इस अतिरिक्त खेप का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई को भी प्राथमिकता सूची में रखा गया है ताकि आम लोगों तक भोजन की पहुंच बनी रहे।

एमएसएमई की मदद को साझा ऋण गारंटी योजना में संशोधन

नयी दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि एमएसएमई के लिए साझा ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस-एमएसएमई) में विनिर्माताओं और निर्यातकों को सहायता देने के लिए बदलाव किए गए हैं। इसके तहत चौथे साल के बाद किस्तों में पांच प्रतिशत अग्रिम योगदान की अनुमति दी गई है। संशोधित योजना के अनुसार, अब इसमें सेवा क्षेत्र को भी शामिल कर लिया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उपकरण/मशीनरी की लागत को परियोजना लागत के पिछले 75 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) ने इस संशोधित योजना को 24 फरवरी, 2026 से लागू कर दिया है। संशोधित योजना के अनुसार, अब ऋण गारंटी 10 वर्षों के बाद खत्म हो जाएगी, जबकि पिछली योजना में इसकी समयसीमा निर्धारित नहीं थी। पात्रता का विवरण देते हुए मंत्रालय ने कहा कि ऐसी लाभदायक इकाइयां जिन्होंने पिछले तीन वित्त वर्षों में से प्रत्येक में अपने बिक्री कारोबार का कम से कम 25 प्रतिशत निर्यात किया है और निर्यात प्राप्ति की कुछ शर्तों को पूरा करती हैं, वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं।

माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना 2.0 की घोषणा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने छोटे ऋण देने वाले माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना–2.0 (सीजीएसएमएफआई–2.0) शुरू की है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस योजना का उद्देश्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों को राष्ट्रीय ऋण गारंटी न्यास कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) को उनके माध्यम से गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी–माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों को छोटे उधारकर्ताओं को आगे ऋण देने के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता पर संभावित नुकसान के खिलाफ गारंटी कवर प्रदान करना है। छोटे एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के लिए डिफॉल्ट राशि का 80 प्रतिशत, मध्यम के लिए 75 प्रतिशत और बड़े संस्थानों के लिए 70 प्रतिशत तक राशि दी जायेगी। इस गारंटी के लिए पहले साल स्वीकृत राशि पर और उसके बाद बकाया राशि पर 0 .50 प्रतिशत का गारंटी शुल्क देना होगा। छोटे उधारकर्ताओं को आगे ऋण देते समय ये संस्थान पिछले छह महीने की औसत ऋण दर से एक प्रतिशत कम ब्याज दर निर्धारित करेंगे।

बात काम की

31 मार्च तक निपटा लें ये 5 काम

पीपीएफ– सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट, ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ

वित्तीय वर्ष 2025-26 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। टैक्सपेयर्स के पास टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट और जरूरी कामों को पूरा करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का ही समय है। अगर आप पुरानी टैक्स रिजीम में हैं और टैक्स बचाना चाहते हैं, तो समय रहते पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि और एनपीएस जैसी स्कीम्स में निवेश करना होगा।

31 मार्च से पहले ये 5 जरूरी काम निपटा लें

1. PPF–**सुकन्या में जमा कर दें मिनिमम अमाउंट :** अगर आपका पब्लिक प्रॉविडेंट फंड और सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट है, लेकिन इस वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2026 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं।

2. **टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट :** अगर आपने अब तक टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट नहीं किया है तो 31 मार्च तक कर सकते हैं। पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट और सुकन्या सहित ऐसी कई योजनाएं हैं जिनमें निवेश करके आप टैक्स बचा सकते हैं...

- सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम
- सुकन्या समृद्धि योजना
- पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)
- नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट
- टाइम डिपॉजिट स्कीम
- इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम

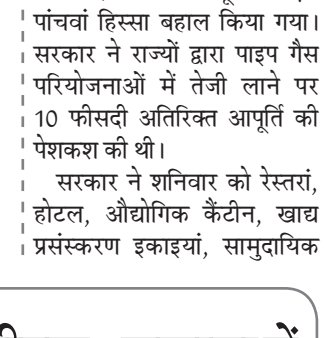

3. **ऑफिस में जमा करने होंगे इन्वेस्टमेंट प्रूफ :** अगर आपने वित्त वर्ष की शुरुआत में अपने ऑफिस को टैक्स बचाने वाले निवेश की घोषणा की थी, तो अब उनके सबूत या दस्तावेज जमा करने का समय है। ज्यादातर कंपनियां फरवरी या मार्च के महीने में निवेश के प्रूफ मांगती हैं।

अगर आप समय पर रसीदें या सर्टिफिकेट जमा नहीं करते हैं, तो कंपनी आपकी सैलरी से ज्यादा टीडीएस (टीडीएस) काट सकती है। इससे मार्च महीने की आपकी इन–हैंड सैलरी काफी कम हो सकती है।

4. **हेल्थ इंश्योरेंस** प्रीमियम पर 75 हजार तक की छूट धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर भी टैक्स बेनिफिट मिलता है। खुद के, पत्नी और बच्चों के इंश्योरेंस पर आप 25,000 रुपए तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। अगर आपकी उम्र 60 साल से ज्यादा है तो यह लिमिट 50,000 रुपए है।

इसके अलावा, माता–पिता के लिए प्रीमियम भरने पर अलग से 50,000 रुपए तक की छूट मिलती है। यानी कुल मिलाकर आप 75,000 रुपए तक का टैक्स बचा सकते हैं। इसका फायदा लेने के लिए प्रीमियम का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले करना होगा।

5. **अपडेटेड रिटर्न** फाइल करने की आखिरी तारीख 31 मार्च जो टैक्सपेयर्स अपने पिछले दो साल के इनकम टैक्स रिटर्न को अपडेट करना चाहते हैं, वे 31 मार्च से पहले अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

इस हफ्ते सोना हुआ 11 हजार रुपये सस्ता, चांदी 28 हजार टूटी

नई दिल्ली,एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में भारी गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.60 लाख प्रति किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 28 हजार रुपए कम हुई।

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से निवेशक अपनी 'गोल्ड होल्डिंग्स' बेचकर कैश (डॉलर) इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि बाजार की अस्थिरता से निपट सकें। इससे डॉलर मांग बढ़ रही है और सोने-चांदी के दाम गिर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 28,903 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंची। तब से 50 दिन में चांदी 1.53 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

एक्सिस बैंक बना डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई का बैंकिंग साझेदार

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता एक्सिस बैंक ने डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) के साथ आधिकारिक बैंकिंग साझेदारी की घोषणा की है।

बैंक ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि यह साझेदारी भारत में पेशेवर गोल्फ के विकास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एक्सिस बैंक इस सत्र में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगिताओं का समर्थन करेगा, जिससे खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और देशभर में गोल्फ के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय कंपनियों ने पेश कीं वजन घटाने और मधुमेह की सस्ती दवाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **सेमाग्लूटाइड से भारत में पेटेंट खत्म होने के बाद उठाया कदम लांच की जेनेरिक दवाएं**

सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ग्लेनमार्क, टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स, एल्केम लैबोरेटरीज और यूएसवी लिमिटेड ने शनिवार को सेमाग्लूटाइड आधारित वजन घटाने और मधुमेह उपचार की जेनेरिक दवाएं और इंजेक्शन बाजार में उतारने की घोषणा की। यह कदम ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी दवाओं के मूल घटक के भारत में पेटेंट समाप्त होने के बाद उठाया गया है। कंपनियों ने कहा कि इन दवाओं की कीमतें मूल दवा बनाने वाली कंपनी नोवो नॉर्डिस्क की तुलना में काफी कम हैं।

सन फार्मा ने अपने सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन को 'नोवेलट्रीट' और 'सेमाट्रिनिटी' नाम से सभी मात्रा में पेश किया है। नोवेलट्रीट का उपयोग वयस्कों में लंबे समय तक वजन नियंत्रण के लिए कम कैलोरी वाले आहार और शारीरिक गतिविधि के साथ किया जाता है।

सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गणोरकर ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य अधिक से अधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार उपलब्ध कराना है।

डॉ. रेड्डीज ने 'ओबेडा' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है, जो सप्ताह में एक बार लगाया जाता है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एरेज इजराइली ने कहा कि कंपनी इसे अन्य देशों में भी उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

ग्लेनमार्क ने 'ग्लिपिक' नाम से अपना जेनेरिक सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन पेश किया है। ग्लेनमार्क के अधिकारी आलोक मलिक ने कहा कि भारत में उन्नत मधुमेह उपचार की शुरुआत में अधिक लागत एक बड़ी बाधा है, जिसे यह दवा कम करने में मदद करेगी। जायडस लाइफसाइंसेज ने भी 'सेमाग्लिन', 'मैशेमा' और 'अल्टरमेट' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन के अपने जेनेरिक संस्करण पेश करने की घोषणा की है।

सर्वे रिपोर्ट | लोकलसर्किल्स का दावा–68% घरों में समय पर नहीं पहुंच रही गैस

ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे 20% लोग, देने पड़ रहे 4,000 तक रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

एलपीजी संकट के चलते देश में सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है। गैस की कमी और डिलीवरी में देरी के कारण करीब 20% परिवारों को सिलेंडर ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। कई मामलों में लोगों को एक घरेलू सिलेंडर के लिए 500 से 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। इंडियन सर्वे और रिसर्च फर्म लोकलसर्किल्स की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक में सिलेंडर लेने वालों की संख्या पिछले हफ्ते के मुकाबले 6% बढ़ गई है। इस हफ्ते 68% भारतीय घरों को गैस डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा, जबकि पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 57% था।

बता दें कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन हालात चिंता वाले बने हुए हैं।

देने पड़ रहे 4,000 रुपये तक ज्यादा: सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि गैस की कमी के कारण बीते सप्ताह की अपेक्षा इस सप्ताह ब्लैक में सिलेंडर खरीदने वालों की संख्या 14% से बढ़कर 20% हो गयी है। लोग तय रेट से आवश्यकता के अनुसार 300 से 4,000 रुपये तक ज्यादा दे रहे हैं।

केवल 28% परिवारों को ही समय पर सिलेंडर: देश के 328 जिलों के 57,000 लोगों पर हुए सर्वे में सामने आया कि केवल 28% परिवारों को ही समय पर गैस मिल पा रही है। इस सर्वे में शहर और गांव के 61% पुरुष और 39% महिलाएं शामिल थीं, जिनमें

से अधिकतर लोगों ने गैस आपूर्ति में परेशानी की बात कही। पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है। इसका आवंटन 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया है।

सख्त कार्रवाई करे सरकार

लोकलसर्किल्स अब इस सर्वे की रिपोर्ट केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालयों को सौंपने की तैयारी में है। संस्था ने मांग की है कि गैस की जमाखोरी करने वाले डीलरों और धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, डिजिटल सिस्टम में आ रही खामियों को दूर करने की भी अपील की गई है।

शहरों में पीएनजी पर शिफ्ट हो रहे लोग

गैस आपूर्ति में कमी को देखते हुए शहरी उपभोक्ता अब पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। सर्वे के अनुसार, ग्रामीण भारत के हालात और भी खराब हैं। गांवों में गैस सप्लाई न होने के कारण 40% से ज्यादा ग्रामीण आबादी अब भी पारंपरिक बायोमास (लकड़ी और उपले) पर निर्भर हो गयी है।

सिलेंडर नहीं, आ रहा डिलीवरी मैसेज

सर्वे के अनुसार करीब 12% उपभोक्ताओं ने धोखाधड़ी वाले SMS मिलने की शिकायत की है। इन मैसेज में दावा किया जा रहा है कि उनका सिलेंडर डिलीवर हो गया है, जबकि उनके घर गैस पहुंची ही नहीं। इस 'फैंटम डिलीवरी' यानी कागजी डिलीवरी ने ऑफिशियल बुकिंग प्लेटफॉर्म्स पर लोगों का भरोसा कम कर दिया है।

कालाबाजारी रोकने को मारे 4500 छापे

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 औचक निरीक्षण भी किए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

प्रतिक्रिया जानने को सड़कों पर लगाए क्यूआर कोड बोर्ड

नई दिल्ली। नागरिकों की सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पीडब्ल्यूडी ने सुदृढ़ीकरण के दौर से गुजर रही सड़कों पर क्यूआर कोड-सक्षम डिस्प्ले बोर्ड लगाए हैं। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण जानकारी तक आसान पहुंच प्रदान करके और प्रतिक्रिया के लिए एक सीधा माध्यम बनाकर सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के साथ लोगों के जुड़ने के तरीके को बदलना है। पीडब्ल्यूडी के मंत्री ने कहा, पारदर्शिता का अर्थ केवल सूचना साझा करना नहीं है; इसका अर्थ है लोगों की बात सुनना। इस पहल से नागरिकों को न केवल सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी मिलेगी, बल्कि वे सीधे अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकेंगे।

कर्नाटक में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में शिवमोगा स्थित त्यावरेकोप्पा चिड़ियाघर में दरियाई घोड़े के हमले में पशु चिकित्सक डॉ. समीक्षा रेड्डी की दर्दनाक मौत के बाद राज्य में वन्यजीव संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बीच सरकार ने उनके परिवार के लिए 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में पशु चिकित्सा अधिकारी नियुक्त हुई 27 वर्षीय डॉ. समीक्षा रेड्डी प्रशिक्षण पर थीं। वह गुरुवार देर रात नियमित ड्यूटी के दौरान हमले का शिकार हो गईं। बताया गया कि रात करीब 10:30 बजे एक पक्षी का इलाज करने के बाद वह एक गर्भवती दरियाई घोड़ी के बाड़े में उसकी शारीरिक स्थिति की निगरानी के लिए थर्मल कैमरा लेकर गईं। इसी दौरान जानवर आक्रामक हो गया और उसने उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें आईं।

अभिनेता निकोलस ब्रेंडन का निधन

लॉस एंजिल्स। मशहूर अमेरिकी टीवी सीरीज 'बफी द वैम्पायर स्लेयर' में 'जैंडर हैरिस' की भूमिका निभाकर दुनिया भर में लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता निकोलस ब्रेंडन (54) का कई गंभीर बीमारियों के कारण निधन हो गया है। उनके परिवार ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए इस दुखद खबर की पुष्टि की। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमें अपने भाई और बेटे निकोलस ब्रेंडन के निधन की खबर साझा करते हुए गहरा दुख हो रहा है।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया भेजीं बड़ी संख्या में पैट्रियट

लंदन, एजेंसी

- रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा की उत्पन्न हुई चिंता

ईरान के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है।

संवेदनशील सैन्य मामलों पर गोपनीयता के कारण अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधकारिक आवास व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया है।

अंधेरे की आहट समाधान की राह

वर्तमान में पूरी दुनिया एक अभूतपूर्व ऊर्जा संकट का सामना कर रही है, जो न केवल आर्थिक विकास को बाधित कर रहा है बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा बना हुआ है। पिछले कुछ समय में, ऊर्जा की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है जिससे विकसित और विकासशील दोनों तरह की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। संकट की जड़ें केवल संसाधनों की कमी में नहीं, बल्कि जटिल भू-राजनीतिक समीकरणों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान में निहित हैं। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद स्थितियां बेहद खराब हुई हैं। तेल अवसंरचनाओं पर हमलों के चलते कच्चे तेल की निकासी और परिवहन प्रभावित हुआ है। होर्मुज जलडमरुमध्य पर टैंकरों की आवाजाही पर ईरान की रोक ने संकट को और बढ़ा दिया है। वैकल्पिक ऊर्जा का इस्तेमाल ही इसका बेहतर समाधान हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट

संकट का कारण

- भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष : मार्च 2026 में मध्य पूर्व विशेष रूप से ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध और तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है।
- हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की बंदी : यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है। इसके बंद होने या असुरक्षित होने से वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20% हिस्सा रुक गया है। भारत अपनी एलएनजी जरूरतों का लगभग 60% इसी मार्ग से आयात करता है, जिससे आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा है।
- आपूर्ति श्रृंखला में बाधा : कतर जैसे प्रमुख उत्पादकों से एलएनजी और एलपीजी के शिपमेंट में देरी हुई है। इसके कारण वैश्विक बाजार में स्पॉट कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं।
- भारी आयात निर्भरता : भारत एलपीजी जरूरतों का 85-90% और कच्चे तेल का लगभग 85% आयात करता है। आपूर्ति कम होने और कीमतें बढ़ने का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा है।

प्रमुख देशों में मांग और आपूर्ति

- अमेरिका : यहां कच्चे तेल की मांग लगभग 20 .5 मिलियन बैरल प्रतिदिन है, जबकि आपूर्ति लगभग 13 मिलियन है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 880-900 बिलियन क्यूबिक मीटर है। • चीन : कच्चे तेल की चीन में मांग लगभग 15-16 मिलियन प्रतिदिन है, लेकिन इसका घरेलू उत्पादन केवल 4 मिलियन के करीब है। चीन अपनी 70% से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। यहां प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 400 बीसीएम है। चीन तेजी से कोयले से गैस की ओर बढ़ रहा है, जिससे इसकी मांग और आयात दोनों बढ़ रहे हैं। • रूस : कच्चे तेल की रूस की घरेलू मांग लगभग 3 .5 मिलियन बैरल रोज है, जबकि इसका उत्पादन 9-10 मिलियन है। रूस की घरेलू गैस मांग लगभग 470 बीसीएम है। • भारत : कच्चे तेल की भारत की मांग लगभग 5 .2 - 5 .5 मिलियन रोजाना है। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन काफी कम है। प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 65-70 बीसीएम है। भारत लगभग 50% एलएनजी आयात करता है।

भारत के पास विकल्प

- नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य : 2030 तक 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करना।
- इथेनॉल सम्मिश्रण : पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाकर आयात बिल को कम किया जा सकता है। सौर ऊर्जा का भी इस्तेमाल

ईवी का इस्तेमाल : इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम की जा सकती है।

- सामरिक तेल भंडार : आपात स्थिति के लिए देश के भीतर तेल का बड़ा स्टॉक जमा करना (जैसे विशाखापत्तनम और पादुर में)।

छीनने नहीं देंगे मताधिकार, अंत तक लड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर लगाया पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बहाने मताधिकार छीनने का आरोप

- ईद पर रैली में बोलीं, विधानसभा चुनाव बंगाल की रक्षा की लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के मतदान अधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाला करार दिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों को लोकतांत्रिक अधिकारों और बंगाल के बहुल सामाजिक ताने-बाने की रक्षा की लड़ाई करार दिया।

ममता ने कहा कि हम मोदी जी और भाजपा को आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम अंत तक लड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए उन्होंने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक की अदालतों का रुख किया है। उनकी ये टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर के कारण वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, खासकर अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से। उन्होंने कहा कि जब आप विदेश जाते हैं, तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और मित्रता की बातें करते हैं। यह आपकी पसंद है, और मैं सभी देशों का सम्मान करती हूं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं, तो अचानक हिंदू-मुस्लिम विवाद शुरू हो जाता है, और लोगों को घुसपैठिया कहा जाने लगता है।ममता ने मोदी और भाजपा द्वारा सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, आप फिर नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया करार देने की बात करते हैं। मैं कहूंगी कि आप और आपकी सरकार सबसे बड़ी घुसपैठ करने वाले हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। ममता बनर्जी ने इस मौके का उपयोग पार्टी के उस चुनावी विमर्श को मजबूत करने के लिए किया कि भाजपा संस्थागत तंत्र और ध्रुवीकरण करने वाली बयानबाजी के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

असम में भाजपा ने की दो और उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली। भाजपा ने असम में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए शनिवार को दो और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, जिनमें कृष्णा साहा को दलगांव से और जीवन गोगोई को सिसीबरगांव से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही भाजपा असम विधानसभा की 126 सदस्यीय विधानसभा में 90 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लखीमपुर से भाजपा के सांसद प्रधान बरुआ की पत्नी को विधानसभा चुनाव में सिसीबरगांव से उम्मीदवार बनाया जा सकता है। सिसीबरगांव सीट लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। हालांकि, पार्टी ने स्थानीय नेता जीवन गोगोई को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा राज्य चुनावों में असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। अगप को 26 सीटें मिलीं, जबकि बीपीएफ को चुनाव पूर्व समझौते के तहत 11 सीटें मिलीं। शेष सीटें भाजपा के हिस्से में हैं। भाजपा और अगप दोनों ने चमारिया सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। भाजपा ने बृहस्पतिवार को असम के लिए 88 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी।

केरल में भाजपा ने जारी की अपने 11 उम्मीदवारों की नई सूची

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 11 उम्मीदवारों की एक नई सूची जारी करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष करमना जयन को तिरुवनंतपुरम से मैदान में उतारा है। नवीनतम सूची के साथ, भाजपा ने नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अब तक 97 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जयन का मुकाबला एलडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे अभिनेता सुधीर करमना और कम्युनिस्ट मार्क्सवादी पार्टी एवं संयुक्त लोकतांत्रिक मार्चा नेता सी पी जॉन से होगा। भाजपा की नई सूची में एक और महत्वपूर्ण नाम व्यवसायी एस राजशेखरन नायर का है, जो नेय्याट्टिनकारा से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला मौजूदा विधायक अनसलान और कांग्रेस उम्मीदवार एन सक्तन से होगा। भाजपा ने एससी आरक्षित चिरायिनकीझू निर्वाचन क्षेत्र से बीएस अनूप और चदयामंगलम से आरएस अरुण राज को भी उतारा है, जो कांग्रेस द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद पार्टी में शामिल हुए थे। राजद छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए टीएन सुरेश कोवलम से चुनाव लड़ेंगे। अभिनेता विवेक गोपन अरुविक्कारा से चुनाव लड़ेंगे। रवींद्रनाथ वकत्थानम पुथुप्पल्ली से चुनाव लड़ेंगे। पीरुमाडे में वी रथीश, एससी-आरक्षित मवेलिक्कारा में अजिमोन, एससी-आरक्षित अडूर में पंडालम प्रतापन और चवारा में केआर राजेश को मैदान में उतारा है। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 23 मार्च है।

भाजपा की बी टीम हैं कांग्रेस और राहुल गांधी : विजयन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस को घेरा

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर शनिवार को निशाना साधते हुए उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम होने का आरोप लगाया। विजयन ने यह आरोप एक साक्षात्कार के दौरान लगाया। राहुल गांधी ने हाल में टिप्पणी की थी कि देश में केंद्रीय एजेंसियों ने केरल के मुख्यमंत्री को छोड़कर अन्य विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया है या पूछताछ के लिए बुलाया है।

गांधी की इस टिप्पणी के बारे में सवाल किए जाने पर विजयन ने कांग्रेस नेता एवं उनकी पार्टी पर भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अनुभवों से नहीं सीखते। वे सामान्य लोग नहीं होते। वे एक दुर्लभ उदाहरण हैं। ऐसा उन लोगों के साथ होता है जो आमतौर पर चीजों को समझने में असमर्थ होते हैं। राहुल गांधी इसी श्रेणी में आते हैं। विजयन ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन अदालत ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को क्लीन चिट दे दी। वाम नेता ने कहा कि यह राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेतृत्व के लिए एक करारा झटका था। इसके बावजूद, यह दुखद है कि वह वही गलती दोहरा रहे हैं। इसीलिए मैंने कहा था कि वे अपने अनुभवों से सबक नहीं सीखते। विजयन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के मामलों का विश्लेषण करने पर हमें यह ज्ञात होता है कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस, भाजपा की वास्तविक 'बी-टीम' बन गई है। लेकिन मैं अभी इसके विवरण में नहीं जाऊंगा।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस-भाजपा का गठबंधन राज्य में अतीत में कई बार देखा गया है, लेकिन आगामी चुनावों में क्या परिणाम निकलेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। विजयन ने कहा कि दोनों दल एक ही तरीके से एलडीएफ (सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) का विरोध करती हैं।

डॉ. वंदना दास हत्या मामले में दोषी शिक्षक को उम्रकैद

कोल्लम (केरल), एजेंसी

- अभियोजन ने कहा-आरोपी के लिए मृत्युदंड की करेंगे अपील

केरल में कोल्लम के एक अस्पताल में डॉ. वंदना दास की सनसनीखेज हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए शिक्षक को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह आरोपी के लिए मृत्युदंड दिए जाने का अनुरोध करते हुए अपील दायर करेगा। चिकित्सक के परिवार ने भी फांसी देने की मांग की है। डॉ. दास की मई 2023 में एक तालुक अस्पताल के अंदर जी संदीप ने बेरहमी से हत्या कर दी थी।

विशेष लोक अभियोजक प्रताप जी पडिकल ने बताया कि कोल्लम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने संदीप को भादंसं के तहत विभिन्न अपराधों के लिए कुल 30 वर्ष की कारावास की सजा सुनाई और कहा कि इस सजा को पूरा करने के बाद चिकित्सक की हत्या के लिए उसकी आजीवन कारावास की सजा शुरू हो जाएगी। विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष को यह सिफारिश करेंगे कि आजीवन कारावास की सजा को मृत्युदंड में बदलने के लिए अपील दायर की जाए। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने संदीप के लिए अधिकतम सजा की मांग की थी, लेकिन अदालत ने शायद इसे दुर्लभतम मामला नहीं माना और इसीलिए मृत्युदंड नहीं दिया गया। डॉ. दास के पिता ने कहा कि यह फैसला परिवार के लिए राहत की बात है, लेकिन वह निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि उनकी बेटी को न्याय मिला है या नहीं। उन्होंने सजा पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सजा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ब्रिटेन में दिमागी बुखार का प्रकोप हाई अलर्ट जारी

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सुरक्षा निकाय ने देश के कई हिस्सों में मेनिंजाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) के मामलों में अचानक हुई वृद्धि के बाद हाई अलर्ट जारी किया है। पिछले दो हफ्तों में लंदन और दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के कुछ इलाकों में संक्रमण के मामलों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ गयी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रकोप विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं को प्रभावित कर रहा है। यूकेएचएसए के मुख्य चिकित्सा सलाहकार ने चेतावनी दी है कि मेनिंजाइटिस बी और डब्ल्यू स्ट्रेन के मामले अधिक देखे जा रहे हैं। अधिकारियों ने छात्रों और अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे टीकाकरण की स्थिति की तुरंत जांच करें। ब्रिटिश सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है।

कर्नाटक : सामाज कल्याण अधिकारी ने की आत्महत्या

तुमकुर,एजेंसी

- मोबाइल पर बनाया वीडियो वरिष्ठों को दोषी ठहराया

तुमकुर जिले में सामाजिक कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद अपने कार्यालय में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सहायक निदेशक मल्लिकार्जुन का शव शुक्रवार को पावागड़ा कस्बे में समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में पंखे से लटका मिला। विभाग के तालुक-स्तरीय अधिकारी ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल फोन पर एक सेल्फी वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त निदेशक कृष्णप्पा द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मल्लिकार्जुन पावागड़ा के गुंडरलाहल्ली का मूल निवासी था। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां, पत्नी और बच्चों ने उसका अच्छे से ख्याल रखा है। पीड़ित ने दावा किया कि ईश्वर और कानून वरिष्ठ सहयोगी को उनके कृत्यों के लिए दंडित करेंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मल्लिकार्जुन के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और सेल्फी वीडियो के आधार पर संयुक्त निदेशक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि संयुक्त निदेशक ने हाल में मल्लिकार्जुन के खिलाफ जांच शुरू की थी।

नौका पर अमेरिका के हमले में दो नशा तस्करों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान के बीच पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौका पर सेना के हमले में दो लोगों की मौत हो गयी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने शुक्रवार को 'एक्स' पर बताया कि हमले के तुरंत बाद अमेरिकी तटरक्षक को हमले में जीवित बचे तीन लोगों की तलाश के लिए सक्रिय किया गया है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि उसके एक जहाज ने दो शव और एक जीवित व्यक्ति को बरामद कर उन्हें कोस्टा रिका के तटरक्षक बल को सौंप दिया। इस ताजा हमले के साथ सितंबर की शुरुआत से ट्रंप प्रशासन द्वारा मादक पदार्थ आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद नावों पर हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 159 हो गई है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे।

वृष आज व्यापार से धन लाभ के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं।

मिथुन आज पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सफल होंगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क आज का दिन नए कार्य की योजना बनाने के लिए शुभ है। कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में साझेदारी करने के अवसर मिलेंगे।

सिंह आज नई तकनीक के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। आप समाज में लोकप्रिय रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा।

कन्या आज नए प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। इसके कारण आपको अपने खर्चों में कटौती भी करनी पड़ेगी।

तुला आज व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको बड़ा पद सौंपा जा सकता है। कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं।

वृश्चिक आज अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके मस्तिष्क में कुछ आइडियाज आएंगे।

धनु आज विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आप लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे।

मकर आज पुरानी उलझनों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनाएंगे। बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान रखें।

मीन आज धन से जुड़े मामलों में देरी हो सकती है। लोन संबंधी मामले उलझने की आशंका है। अपने मन की बातें साझा करने से बचें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 22 मार्च, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.16 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 20 .42 तक तत्पश्चात कृतिका।

सुडोकू - 95 का हल

3	8	4	1	9	2	7	5	6
5	9	7	3	6	8	4	2	1
2	6	1	7	4	5	3	9	8
6	7	2	4	8	1	9	3	5
9	4	5	2	3	6	8	1	7
1	3	8	5	7	9	6	4	2
8	5	9	6	2	3	1	7	4
7	1	3	8	5	4	2	6	9
4	2	6	9	1	7	5	8	3

सुडोकू -96

9			6		8	5		
	2		9			4		
				3				
6		7	8				3	
		2				7		9
	5				7			
		8		5	2			
		1					6	
		9	4		6			7

पंजाब में तस्करी के 6.5 किलो हेरोइन बरामद

फि रोजपुर। पंजाब में काउंटर इं टेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बी एसएफ) के साथ समन्वय करते हुए तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित तस्करों ने जीरो लाइन पार की और सीमा बाड़ के बहुत करीब आ गए। वे अंधेरे का फायदा उठाकर नशीले पदार्थों की खेप को भारतीय सीमा के भीतर धकेलने की कोशिश कर रहे थे।

संगोष्ठी

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने किया आह्वान

लंबित मुकदमों के निस्तारण को बने न्यायिक सुधार आयोग

बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने शनिवार को अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों को कम करने के लिए एक न्यायिक सुधार आयोग के गठन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों में प्रणालीगत खामी की वजह से न्याय वितरण में देरी हो रही है।

वह यहां सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। यहां 'लंबित मामलों से त्वरित न्याय की ओर: भारतीय न्यायालयों में न्याय वितरण पर पुनर्विचार' विषय पर आयोजित परिसंवाद का हिस्सा रहीं न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस सुधार आयोग में न केवल उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और जिला न्यायपालिका के सदस्य होने चाहिए, बल्कि बार एसोसिएशन, अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और संस्थागत स्तर पर बार का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ सदस्य, जैसे कि बार अध्यक्ष, और सरकार की ओर से भी सदस्य होने चाहिए ताकि लंबित मामलों को कम करने पर अंतर-संस्थागत संवाद स्थापित किया जा सके।

सरकार की भूमिका मुकदमेबाजी का बड़ा स्रोत

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सरकार की भूमिका को मुकदमेबाजी का सबसे बड़ा स्रोत बताते हुए कहा कि अधिकारी जांच से बचने के लिए अपील दायर करते हैं, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां विवादों का निपटारा पहले किया जा सकता था। इसके परिणामस्वरूप मामले अनावश्यक रूप से कई न्यायिक स्तरों से गुजरते हैं। सरकार सार्वजनिक रूप से लंबित मामलों के बारे में चिंता जताती है।

उन्होंने रेखांकित किया कि विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण, मुकदमे की यथास्थिति से पक्षकार के लाभ जैसे कारणों से कार्यवाही को लंबा खींचने की कोशिश होती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि एक वकील या अधिवक्ता को स्थगन और सुनवाई में देरी पसंद होती है क्योंकि इससे उसे प्रति उपस्थिति और विस्तारित समयसीमा का लाभ मिलता है। सरकारी विभाग हार स्वीकार करने के बजाय अपील करके नौकरशाही संबंधी जोखिम को कम करता है।

हमने पिछले दो से तीन सीजन में जो हासिल किया, उसे हासिल करने के लिए हमने बहुत मेहनत की है, और यह और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि दूसरी टीमें हमें कड़ी टक्कर देंगी। हम एक मिनट भी बर्बाद न करें और अपना 120 परसेंट देना होगा।
–विराट कोहली

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 22 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पोलैंड के टोरून में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप की हेप्टाथलॉन 60 मीटर हर्डल्स में हिस्सा लेते जमैका के जेरोम कैंपबेल। एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी-20 खेलेगा भारत

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों मैच बेलफास्ट में होंगे जहां भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने एक बयान में कहा टीम इंडिया दो मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये जून 2026 में आयरलैंड जायेगी। उन्होंने कहा पिछले आठ साल में भारतीय टीम ने तीन बार (2018, 2022 और 2023) आयरलैंड का दौरा किया है। बेलफास्ट में भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी । इससे दो दिन पहले आयरलैंड के हाई परफार्मेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की थी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के बाद इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी।

कैमरन ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन (चीन)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20 .88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0 .03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20 .91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

ओलंपिक में पदार्पण को सौरव घोषाल ने ऐतिहासिक बताया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किये गए घोषाल ने कहा मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैने भारत के लिये 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।

चेन्नईयिन एफसी अपने पहले घरेलू मैच में एफसी गोवा से भिड़ेगा

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को यहां इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अपने पहले घरेलू मैच में चौथे स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इमरान खान के पहले गोल ने चेन्नईयिन को इस सत्र की पहली जीत दिलाई थी। क्लब के मुख्य कोच क्लाईफोर्ड मिरांडा ने कहा मैं अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करूंगा, लेकिन हम एक टीम और एक समूह के तौर पर प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश करते हैं। मुख्य कोच ने आगे कहा हम कई तरह के बदलाव करके देख रहे हैं। और हम निरंतरता लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे और नियमित रूप से गोल करना शुरू कर देंगे।

केकेआर को एक और झटका, चोटिल आकाशदीप आईपीएल सत्र से बाहर

अब टीम को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और उमरान मलिक पर निर्भर रहना होगा

कोलकाता, एजेंसी

चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को शनिवार को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए। आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उभर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया।

सूत्र ने कहा पूरी तरह से फिट होकर वापसी करने में काफी समय लगेगा। इस तरह की चोट में फिट होने के लिए लगभग 10 सप्ताह का समय लगता है। लेकिन इस मामले में इससे भी अधिक समय लग सकता है। आकाशदीप तीन बार के चैंपियन केकेआर की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में नया नाम हैं। इस सूची में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंकाई खिलाड़ी मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिससे टीम का तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर पड़ गया है। आकाशदीप और राणा की अनुपस्थिति में केकेआर को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और फिट होकर वापसी करने वाले उमरान मलिक पर निर्भर रहना पड़ेगा। राणा पहले ही आईपीएल से बाहर हो गए थे। बीसीसीआई के निर्देश के बाद इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करना पड़ा, जिसके बाद केकेआर ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को टीम में शामिल किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी आक्रमण में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा और उनके 'मिस्ट्री' स्पिनरों में 'नवीनता का तत्व' भी फीका पड़ गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले केकेआर की ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करते हुए अश्विन ने कहा कि भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अब काफी जिम्मेदारी होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मुझे नहीं लगता कि केकेआर की गेंदबाजी देखकर विरोधी टीम डरेंगी। 'मिस्ट्री फैक्टर', 'नवीनता' और खौफ, ये सब अब खत्म हो चुके हैं। पहले बल्लेबाज विश्लेषक के कमरे में जाकर गेंदबाज के हाथ को देखते थे या फिर एक रन लेने की बात सोचते थे। उन्होंने कहा वरुण अपने करियर के ऐसे दौर में हैं जहां उन्हें जवाब ढूंढने होंगे। यह हर क्रिकेटर के विकास का हिस्सा होता है। मुझे लगता है कि नवीनता का तत्व अब खत्म हो गया है। अश्विन ने यह भी कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण की प्रभावशीलता भी कम हो गई है। उन्होंने कहा सुनील नारायण अब अपने एक्शन की वजह से अपनी तेज गेंद नहीं डाल सकते। ईडन गार्डन्स छोटा मैदान है इसलिए विरोधी टीमों के लिए आक्रामक होना आसान हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केकेआर के गेंदबाजों के लिए आक्रामक बल्लेबाजी लाइन-अप को रोकना मुश्किल हो सकता है, खासकर छोटे मैदानों पर। उन्होंने यह भी कहा कि चोटों और खिलाड़ियों में बदलाव के कारण गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा नीलामी के बाद मैंने कहा था कि केकेआर की गेंदबाजी मजबूत है। लेकिन अब मुस्तफिजुर रहमान टीम में नहीं हैं। माथिशा पाथिराना चोटिल हैं और हर्षित राणा भी बाहर हो चुके हैं। अश्विन ने कहा केकेआर के पास ब्लेसिंग मुजारबानी हैं जिन्होंने मेहनत की है और मैं उन्हें देखने के लिए उत्साहित हूं। लेकिन इतनी चोटों के बीच किसी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी और वो कौन होगा, मुझे नहीं दिखता। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप भी केकेआर के पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं। अश्विन ने श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया जिन्होंने 2024 में केकेआर को तीसरा खिताब जिताया था लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। उन्होंने कहाकोरबो है, लोरबो है, लेकिन जीतबो नहीं है। केकेआर ने तीन बार खिताब जीता, दो बार गौतम गंभीर के नेतृत्व में और एक बार श्रेयस अय्यर की अगुआई में। अश्विन ने कहा श्रेयस अय्यर की कप्तानी प्रभावशाली रही है। केकेआर का नुकसान पंजाब किंग्स का फायदा बन गया। अय्यर पंजाब किंग्स में शामिल हुए और पिछले साल टीम को एक दशक में पहली बार आईपीएल फाइनल तक पहुंचाया।

अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्र-छात्राओं के साथ सेल्फी लेते गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ी कुमार कुशाग्र, मानव सुथार व अरशद खान।

किसी सत्र का एक भी मिनट बर्बाद नहीं करना : कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी

● रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के करिश्माई बल्लेबाज विराट ने साथी खिलाड़ियों को दी सलाह

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी। आरसीबी को 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। कोहली ने कहा हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा। उन्होंने यह भी कहा इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं।

तन्वी का शानदार अभियान सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त

ओरलियंस। भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा को शनिवार को यहां ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में अपनी गलतियों पर नियंत्रण नहीं कर पाने के कारण पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक अन्य भारतीय खिलाड़ी ईशारानी बरूआ को भी महिला एकल के सेमीफाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपाटनिपुथ से 12-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। इससे खिताबी मुकाबला ओकुहारा और ओपाटनिपुथ के बीच खेला जाएगा।

भारत की सत्रह वर्षीय खिलाड़ी तन्वी पूरे मैच के दौरान अपनी लेंथ और नियंत्रण को लेकर जूझती रहीं। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता को 35 मिनट में 31 वर्षीय ओकुहारा (2016 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2017 की विश्व चैंपियन) के हाथों 9-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पिछले साल सैयद मोदी इंटरनेशनल में ओकुहारा के खिलाफ तीन गेम के एक रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की थी।

महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं फैनी

अबुजा, एजेंसी

● नाइजीरिया इनविटेशनल के एक मुकाबले में 65 गेंदों पर खेली 111 रनों की नाबाद पारी

रवांडा की फैनी उतागुशीमानिंदे महिला टी20 डेब्यू में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज़ बनीं। उन्होंने घाना के खिलाफ नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट के एक मुकाबले में 65 गेंदों में 111 रनों की नाबाद पारी खेली।

15 साल और 223 दिन की उम्र में उतागुशीमानिंदे महिला टी20 में शतक लगाने वाली सबसे युवा बल्लेबाज भी बनीं। इससे पहले महिला टी20 डेब्यू में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की कैरेन रॉलटन के नाम था जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टांटन में 96 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वह मैच महिला टी20 इतिहास का सिर्फ दूसरा ही अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबला था। दूसरी तरफ इससे पहले महिला टी 20I में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड यूगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था जिन्होंने 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के ख़िलाफ़ किगाली में 2019 में 116 रनों की पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में अभी तक चार बल्लेबाज़ों ने टी20 डेब्यू में शतक लगाया है, लेकिन उसमें से एक भी पूर्ण सदस्य देश से नहीं हैं। कनाडा के मैथ्यू स्पूर्स ने 2022 में फ़िलीपींस के ख़िलाफ़ 108 रनों की नाबाद पारी खेली थी। पुरुष क्रिकेट में फ्रांस के गुस्ताव मैकियोन टी20 में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने यह रिकॉर्ड 18 साल और 280 दिन की उम्र में बनाया था। उतागुशीमानिंदे के शतक की मदद से रवांडा ने 210 पर 3 का बड़ा स्कोर बनाया और उनके बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ स्कोरर मेर्विल उवासे रहीं जिन्होंने 19 गेंदों में 32 रनों की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा 28 रन अतिरिक्त से आए जिसमें 25 वाइड थे। घाना की टीम 20 ओवर में 88 पर 8 का स्कोर ही बना सकी और उन्हें 122 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

मानव व यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

इंदौर। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की।

इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी और सुहाना सैनी ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया।

जापान ने जीता महिला एशियाई कप

जापान की माइका हमानो के खिलाफ फुटबॉल पर नियंत्रण करने की कोशिश करतीं ऑस्ट्रेलिया की एली कारपेंटर। एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

● मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया, माइका हमानो ने किया एकमात्र गोल

माइका हमानो के पहले हॉफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया।

हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा। जापान ने 2014 और 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगातार महिला एशियाई कप जीते थे। इस तरह उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार खिताब जीता है। एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए छह मैचों में सिर्फ एक गोल खाया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2010 के बाद से यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप नहीं जीती है, जब सैम केर (तब 16 वर्ष की थीं) ने फाइनल में गोल किया था। एशियाई कप से छह टीमें अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। मध्य पूर्व युद्ध से प्रभावित ईरानी टीम की भागीदारी के कारण 12 टीमों के इस टूर्नामेंट ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

पीसीबी की दखलंदाजी के कारण छोड़ा था पद

नई दिल्ली, एजेंसी

● पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने अपने छोटे कार्यकाल की बताई वजह

पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने टीम के साथ अपने छोटे समय के बारे में बात की है, और बताया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बहुत ज्यादा दखल ने उनके समय से पहले जाने में अहम भूमिका निभाई।

कर्स्टन, जिन्हें अप्रैल 2024 में दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर अपॉइंट किया गया था, ने सिर्फ छह महीने बाद पाकिस्तान की वनडे और टी 20 टीमों के हेड कोच का पद छोड़ दिया, टीम के ऑस्ट्रेलिया के तय वनडे दौरे से कुछ ही दिन पहले।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर ने कहा कि टीम के मामलों में बाहरी दखल का लेवल ऐसा था जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, "जिस चीज़ ने मुझे सबसे ज़्यादा हैरान किया, वह थी दखल का लेवल। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस लेवल पर देखा है। क्या इससे मुझे हैरानी हुई? मुझे नहीं पता, लेकिन यह काफ़ी था।

उनके इस्तीफे के बाद, पीसीबी ने टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम कोच बनाया, जिसमें छह लिमिटेड-ओवर मैच थे। हालांकि, कुछ महीने बाद गिलेस्पी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

मियामी ओपन

एरीना सबालेंका ने एन ली और एलेना रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को हराया

सबालेंका और रिबाकिना तीसरे दौर में पहुंचीं

मियामी, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका और वर्ल्ड नंबर दो एलेना रिबाकिना ने शुक्रवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में अपने मियामी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत की। सबालेंका ने अमेरिकन एन ली पर 7-6(5), 6-4 से दूसरे राउंड में 1 घंटे, 42 मिनट की जीत हासिल की जबकि रिबाकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को एक घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से हराया।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद माना कि हालांकि वह अपने ओवरऑल खेल के लेवल से खुश नहीं थीं, लेकिन वह मुश्किल हालात में अपने रिस्पॉन्स से खुश थीं। शुरुआत में वह 4-1 से आगे

थीं, लेकिन ली ने लगातार तीन गेम जीतकर बराबरी कर ली। जिसमें 4-4 के लिए एक होल्ड भी शामिल था जिसमें उन्होंने सात ब्रेक पॉइंट बचाए। सेट में बने रहने के लिए दो बार सर्व बचाने के बाद, ली ने बाद में टाईब्रेक के बीच में सबालेंका को लीड किया, लेकिन टॉप सीड ने आखिरी पांच में से चार पॉइंट जीतकर अपनी लीड वापस पा ली। दूसरे सेट की शुरुआत में लगातार तीन ब्रेक के बाद, सबालेंका ने ली को चौथे सेट के दो मौके देने से मना कर दिया। और बाकी रास्ते में सर्विस पर चार पॉइंट गंवाकर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपना लगातार नौवां ओपनिंग मैच जीत लिया। सबालेंका का अगला मैच कैटी मैकनेली से होगा। मियामी में पहले दो पहले राउंड से बाहर होने के बाद, मैकनेली ने रेबेका मासरोवा पर शुरुआती जीत के साथ नंबर 29 सीड वांग शिन्यु को 6-4, 1-6, 6-0 से हराया। रविवार को इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में वर्ल्ड नंबर ए आर्यना सबालेंका से हारने के बाद डब्ल्यूटीए टूर पर अपना पहला मैच खेलते हुए, रायबाकिना ने शुरुआत में ही ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि पुतिनत्सेवा, जिन्होंने अपनी पिछली तीन मुलाकातों में से दो जीती थीं, ने 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन रायबाकिना ने आठवें गेम में एक और ब्रेक के साथ जवाब दिया और सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में, रिबाकिना ने सातवें व नौवें गेम में ब्रेक करके 1 घंटे, 17 मिनट में 6-3, 6-3 से जीत पक्की कर ली।

मैं वहां थी, मैं लड़ रही थी, चाहे कुछ भी हो, भले ही मेरा गेम शायद मेरा सबसे अच्छा गेम नहीं था, जहां उन्होंने वर्ल्ड नंबर 39 की भी तारीफ की। उन्होंने आगे कहा उन्होंने ज़बरदस्त टेनिस खेला। वह सुपर एग्रेसिव थीं, उनकी सर्विंग ज़बरदस्त थी, वाह। यह एक शानदार मैच था, एक शानदार लेवल था, और मैं यह बहुत मुश्किल जीत पाकर बहुत खुश हूं।

-एरीना सबालेंका

बहुत खुश हूं, सच कहूं तो यूलिया के खिलाफ मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। मुझे खुशी है कि आज मेरी सर्व काम कर रही थी। मुझे कोर्ट के हिसाब से ढलने के लिए भी कुछ समय चाहिए था। मैंने अभी तक यहाँ हिट भी नहीं किया था। इसलिए मैं जीत से बहुत खुश हूँ।

-एलेना रिबाकिना